Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

'प्रधानमंत्रीजी ने जनजाति समाज को देश की मुख्यधारा के साथ जोड़ने का कार्य किया है'

वर्ष-17, अंक-18 16-30 सितंबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

'कर्तव्य पथ'

एक नए और विकसित भारत का संकल्प

पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' राष्ट्र को समर्पित

तेलंगाना की टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकें

दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों का सशक्तीकरण

हन्मकोंडा (तेलंगाना) में 27 अगस्त, 2022 को विशाल "प्रजा संग्राम यात्रा – III" जनसभा को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

अगरतला (त्रिपुरा) में 29 अगस्त, 2022 को 'जनजाति जनसभा' को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कैथल (हरियाणा) में 2 सितंबर, 2022 को 'अमृत काल संकल्प रैली' के दौरान मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश भाजपा इकाई भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत करते हुए

तिरुवनंतपुरम (केरल) में 3 सितंबर, 2022 को अनुसूचित जाति सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

रायपुर (छत्तीसगढ़) में 27 अगस्त, 2022 को पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में मोदी@20 संगोष्ठी को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

उदयपुर (राजस्थान) में 30 अगस्त, 2022 को वीर माता पन्ना धाय की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06

देशवासियों की सोच और व्यवहार दोनों ही गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो रहे हैं: नरेन्द्र मोदी

'कर्तव्य पथ' के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी का 'अमृत महोत्सव' के समय देश ने आज एक नई प्रेरणा और ऊर्जा का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि आज हम गुजरे हुए कल को छोड़कर आने वाले कल की तस्वीर में नए रंग भर रहे हैं। आज...

10 पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो सितंबर को केरल स्थित कोच्चि में पहले स्वदेशी विमान वाहक...

12 तेलंगाना के विकास के मार्ग में रोड़े अटकानेवाली टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकें: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 27 अगस्त, 2022...

14 'प्रधानमंत्रीजी ने जनजाति गौरव को सम्मान देकर उन्हें देश की मुख्यधारा के साथ जोड़ने का कार्य किया है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 अगस्त, 2022 को त्रिपुरा...

17 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों का सशक्तीकरण किया : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने...

वैचारिकी

जीवन का सुख / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 26

श्रद्धांजलि

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का निधन 28

कर्नाटक के मंत्री उमेश विश्वनाथ कट्टी नहीं रहे 28

अन्य

'कार्यकर्ता, संगठन और विचारधारा के आधार पर आगे बढ़नेवाली पार्टी है भाजपा' 16

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर विशेष 18

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'अमृतकाल का संकल्प' पुस्तिका का किया विमोचन 20

पंडित जी सिद्धांत आधारित राजनीति और निःस्वार्थ सेवा के लिए जाने जाते हैं 20

'कमल खिलाने से क्या-क्या बदलाव आते हैं, यह हरियाणा सरकार ने कर दिखाया है' 21

देशभर में 14,500 से भी अधिक स्कूलों को 'पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया' के रूप में किया जाएगा विकसित 22

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत अब तक 46.25 करोड़ लाभार्थियों के खुले 'बैंक खाते' 24

भुज में 4400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास 29

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की भारत यात्रा 30

'मोदी@20' पुस्तक पर परिचर्चा 31

'मन की बात' 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

कर्तव्य पथ भारत के लोकतांत्रिक अतीत और सर्वकालिक आदर्शों का जीवंत मार्ग है। देश के सांसद, मंत्री और अधिकारियों में भी यह पूरा क्षेत्र 'नेशन फर्स्ट' की भावना का संचार करेगा।

जगत प्रकाश नड्डा

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा ने देश में जातिवाद, परिवारवाद व तुष्टीकरण आदि संकीर्णताओं से मुक्त ऐसी राजनीतिक परंपरा को स्थापित किया है, जिसकी आधारशिला विकास की संस्कृति है।

अमित शाह

सभी राज्यों को मिलकर सहकारिता क्षेत्र के विकास हेतु टीम इंडिया की भावना से काम करना होगा। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि 100 साल में सहकारिता देश के अर्थतंत्र का मजबूत स्तंभ बने, और मोदीजी द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर ले जाने में सहकारिता का बहुत बड़ा योगदान हो।

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 सितंबर, 2022 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। नेताजी के प्रति कृतज्ञ राष्ट्र की यह सच्ची श्रद्धांजलि है। साथ ही, प्रधानमंत्रीजी ने 'कर्तव्य पथ' भी राष्ट्र को समर्पित किया। यह नए और सशक्त भारत की बुलंद पहचान को प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्रीजी को धन्यवाद।

बी.एल. संतोष

ऐसे वीभत्स तत्व जिन्होंने भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और वंशवाद से अपना करियर बनाया है, वह ही केवल एक प्रतिष्ठित और उपलब्धि प्राप्त महिला के खिलाफ ऐसी बात कर सकते हैं। यह साबित करता है कि आपका और तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) पार्टी का कोई आधार नहीं है।

के. लक्ष्मण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में देशवासी आज एकजुट होकर न केवल जनभागीदारी से नए भारत के विकास का सुनहरा अध्याय लिख रहे हैं, बल्कि अंत्योदय के भाव को भी सिद्ध कर रहे हैं।

संपादकीय

गुलामी की मानसिकता से मुक्त 'कर्तव्य पथ'

'राजपथ' का 'कर्तव्य पथ' के रूप में नामकरण 'पंच प्रण' को पूरा करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर नेताजी की प्रतिमा के अनावरण के साथ 'कर्तव्य पथ' का भव्य शुभारंभ एक उभरते हुए 'नए भारत' का संकेत करता है जो अपने स्वप्नों को साकार करने के लिए कृतसंकल्पित है। इस उत्सव की आभा से पूरे देश में एक नए उत्साह एवं उमंग का संचार हुआ है। भारतीय वाद्य यंत्रों एवं संगीत की धुनों के बीच इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने संबोधन में एक विकसित भारत, जो जनाकांक्षाओं को पूरा करने की क्षमता रखता हो, ऐसे भारत की कल्पना को देश के सामने रखा। यह अवसर देश के उस ऐतिहासिक मोड़ पर आयोजित हुआ, जहां से देश राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के नए युग में प्रवेश कर 'नए भारत' की संकल्पना को साकार करने का संकल्प ले रहा है।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी देश में दासता के कई चिह्न अभी भी विद्यमान हैं और उनका महिमामंडन उन शक्तियों के द्वारा किया जाता है जो भारत की गति में अवरोध पैदा करना चाहती हैं। लालकिले की प्राचीर से इस स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को अपने संबोधन में आने वाले 25 वर्षों के 'अमृतकाल' हेतु 'पंच प्रण' के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया है। इन 'पंच प्रण' में उन्होंने विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने हेतु औपनिवेशिक दासता की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान किया है। मोदी सरकार के निर्णयों में दासता के चिह्नों से मुक्ति के प्रयास निरंतर देखे जा सकते हैं। जहां राजपथ का नाम 'कर्तव्य पथ' कर दिया गया है तथा इंडिया गेट पर जहां कभी किंग जॉर्ज पंचम की प्रतिमा थी, वहां नेताजी की प्रतिमा का अनावरण किया गया है। कई ऐसे निर्णय भी लिए गए हैं जिससे 'नए भारत' की झांकी दिखाई देती है। 'रेस कॉर्स रोड' जिस पर प्रधानमंत्री निवास अवस्थित है अब 'लोक कल्याण मार्ग' है, बीटिंग रिट्रीट कार्यक्रम में अब भारतीय संगीत सुनाई पड़ती है। भारतीय जलसेना ने हाल ही में दासता के चिह्न को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक अपनाया है। बजट जो अब तक ब्रिटिश संसद के समयानुसार था, अब भारतीय समयानुकूल किया गया है। राष्ट्रीय समर स्मारक एवं राष्ट्रीय पुलिस स्मारक का निर्माण हुआ है, भारतीय भाषाओं को एनईपी के माध्यम से पुनर्प्रतिष्ठित कर देश के विद्यार्थियों को विदेशी भाषा से मुक्ति दिलाने के प्रयास शुरू हुए हैं। कई औपनिवेशिक कानून को समाप्त किया गया है तथा ऐसे ही अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय देश की दासता की मानसिकता से मुक्ति दिलाने हेतु लिए गए हैं।

मोदी सरकार के निर्णयों में दासता के चिह्नों से मुक्ति के प्रयास निरंतर देखे जा सकते हैं। जहां राजपथ का नाम 'कर्तव्य पथ' कर दिया गया है तथा इंडिया गेट पर जहां कभी किंग जॉर्ज पंचम की प्रतिमा थी, वहां नेताजी की प्रतिमा का अनावरण किया गया है

जहां 'पंच प्रण' में से एक औपनिवेशिक दासता की मानसिकता से मुक्ति का आह्वान करता है, वहीं दूसरा देश की समृद्ध विरासत पर गौरव करने को भी प्रेरित करता है। इस 'प्रण' के लिए प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप आज स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत को 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण, अंडमान द्वीपों का नेताजी के नाम पर नामकरण, प्रधानमंत्री संग्रहालय का निर्माण, जनजातीय संग्रहालय, बाबा साहेब का 'पंच तीर्थ' का निर्माण, देश की संस्कृति एवं सभ्यता के केंद्रों को भव्य-दिव्य रूप देने का प्रयास तथा देश में 'अमृतकाल' के संकल्पों के अनुरूप सांस्कृतिक अवसंरचना एवं आधुनिकीकरण के कार्य को देखा जा सकता है। 'राजपथ' जो ब्रिटिश काल के 'किंग्सवे' का हिंदी नामांकरण था, शासन के लोगों पर 'राज' करने की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि 'कर्तव्य पथ' हर नागरिक को एक विकसित भारत के निर्माण में उसकी भूमिका का दायित्वबोध कराता है। अपने 'पंच प्रण' के आह्वान में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हर नागरिक में राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध के महत्व पर बल दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि राष्ट्रीय समर स्मारक से कर्तव्य पथ एवं राष्ट्रपति भवन तक का पूरा क्षेत्र जन-जन में नई प्रेरणा, कर्तव्य बोध और ऊर्जा का संचार करेगा एवं 'राष्ट्र प्रथम' का मंत्र हर हृदय में गुंजायमान होगा। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

'कर्तव्य पथ' का उद्घाटन और इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण

देशवासियों की सोच और व्यवहार दोनों ही गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो रहे हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ सितंबर को 'कर्तव्य पथ' का उद्घाटन किया। यह पूर्ववर्ती सत्ता के आइकॉन राजपथ से सार्वजनिक स्वामित्व और सशक्तीकरण के उदाहरण 'कर्तव्य पथ' में बदलाव का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का भी अनावरण किया। अमृत काल में ये कदम नए भारत के लिए प्रधानमंत्री के दूसरे 'पंच प्रण' के अनुरूप हैं: 'औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी निशान को मिटा दें।'

वर्षों से राजपथ और सेंट्रल विस्टा एवेन्यू के आसपास के क्षेत्रों में आगंतुकों के बढ़ते यातायात का दबाव देखा जा रहा था, जिससे इसकी अवसंरचना पर भी दबाव पड़ा। यहां सार्वजनिक शौचालय, पीने के पानी, स्ट्रीट फर्नीचर और पर्याप्त पार्किंग स्थान जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। इसके अलावा, यहां अपर्याप्त साइनबोर्ड, पानी की सुविधाओं का निम्न स्तरीय रखरखाव और बेतरतीब पार्किंग थी। इसके अतिरिक्त, गणतंत्र दिवस परेड और अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों को सार्वजनिक आवाजाही पर न्यूनतम प्रतिबंधों के साथ आयोजित करने की आवश्यकता महसूस की गई। वास्तुशिल्प की प्रकृति की अखंडता और निरंतरता सुनिश्चित करते हुए तथा इन बातों को ध्यान में रखते हुए यह पुनर्विकास पूरा किया गया है।

'कर्तव्य पथ' में सुंदर प्राकृतिक परिदृश्य, वॉकवे के साथ लॉन, अतिरिक्त हरे भरे स्थान, नवीनीकृत नहरें, नए सुविधा ब्लॉक, बेहतर साइनबोर्ड और वेंडिंग कियोस्क होंगे। नए पैदल यात्री अंडरपास, बेहतर पार्किंग स्थान, नए प्रदर्शनी पैनल और रात में उन्नत प्रकाश व्यवस्था आदि अन्य विशेषताएं हैं, जो सार्वजनिक अनुभव को बेहतर बनाएंगी। इसमें सतत विकास से जुड़ी विशेषताएं भी शामिल हैं, जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्टॉर्म वाटर प्रबंधन, उपयोग किए गए पानी का पुनर्चक्रण, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था आदि।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा, जिसका अनावरण प्रधानमंत्री द्वारा किया गया, उसी स्थान पर स्थापित की गई है, जहां इस साल की शुरुआत में 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया गया था। ग्रेनाइट की प्रतिमा हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के अपार योगदान के लिए एक उचित श्रद्धांजलि है और उनके प्रति देश के ऋणी होने का प्रतीक है। मुख्य मूर्तिकार श्री अरुण योगीराज द्वारा तैयार की गई 28 फीट ऊंची प्रतिमा को एक अखंड ग्रेनाइट पत्थर से बनाया गया है और इसका वजन 65 मीट्रिक टन है।

'कर्तव्य पथ' के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी का 'अमृत महोत्सव' के समय देश ने आज एक नई प्रेरणा और ऊर्जा का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि आज हम गुजरे हुए कल को छोड़कर आने वाले कल की तस्वीर में नए रंग भर रहे हैं। आज जो हर तरफ ये नई आभा दिख रही है, वो नए भारत के आत्मविश्वास की आभा है। उन्होंने आगे कहा कि किंग्सवे यानी गुलामी का प्रतीक राजपथ आज से इतिहास की बात हो गया है और हमेशा के लिए मिट गया है। आज 'कर्तव्य पथ' के रूप में एक नया इतिहास रचा गया है। मैं सभी देशवासियों को आजादी के इस अमृत काल में गुलामी की एक और पहचान से मुक्ति के लिए बधाई देता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि आज हमारे राष्ट्रीय नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक विशाल प्रतिमा भी इंडिया गेट के पास स्थापित की गई है। उन्होंने कहा कि गुलामी के समय, ब्रिटिश राज के प्रतिनिधि की एक मूर्ति थी। आज देश ने उसी स्थान पर नेताजी की प्रतिमा की स्थापना कर एक आधुनिक, मजबूत भारत की प्राण-प्रतिष्ठा भी कर दी है।

नेताजी को भारत की विरासत पर गर्व था

नेताजी की महानता को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि सुभाष चंद्र बोस ऐसे महान व्यक्ति थे, जो पद और संसाधनों की चुनौती से परे थे। उनकी स्वीकार्यता ऐसी थी कि पूरा विश्व उन्हें नेता मानता था। उनमें साहस था, स्वाभिमान था। उनके पास विचार थे, विज़न था। उनमें नेतृत्व की क्षमता थी, नीतियां थीं।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश को अपने गौरवशाली अतीत को नहीं भूलना चाहिए। भारत का गौरवशाली इतिहास हर भारतीय के रक्त और परंपरा में है। श्री मोदी ने याद दिलाया कि नेताजी को भारत की विरासत पर गर्व था तथा वे भारत को आधुनिक भी बनाना चाहते थे।

प्रधानमंत्री ने अफसोस जताते हुए कहा कि अगर आजादी के बाद हमारा भारत सुभाष बाबू की राह पर चला होता तो आज देश कितनी ऊंचाइयों पर होता! लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के बाद हमारे इस महानायक को भुला दिया गया। उनके विचारों को, उनसे जुड़े प्रतीकों तक को नजरअंदाज कर दिया गया।

उन्होंने नेताजी की 125वीं जयंती के अवसर पर कोलकाता में नेताजी के आवास की यात्रा को याद किया और उस समय की ऊर्जा के अनुभव का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि नेताजी की ऊर्जा आज देश का मार्गदर्शन करे। 'कर्तव्य पथ' पर नेताजी की प्रतिमा उसका माध्यम बनेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में हमने एक के बाद एक ऐसे कितने ही निर्णय लिए हैं, जिन पर नेताजी के आदर्शों और सपनों की छाप है। नेताजी सुभाष अखंड भारत के पहले प्रधान थे, जिन्होंने 1947 से भी पहले अंडमान को आजाद कराकर तिरंगा फहराया था। उस वक्त उन्होंने कल्पना की थी कि लालकिले पर तिरंगा फहराने की क्या अनुभूति होगी। इस अनुभूति का साक्षात्कार मैंने स्वयं किया, जब मुझे आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष होने पर लाल किले पर तिरंगा फहराने का सौभाग्य मिला।

श्री मोदी ने लाल किले में नेताजी और आजाद हिंद फौज को समर्पित संग्रहालय के बारे में भी बात की। उन्होंने 2019 में गणतंत्र दिवस परेड को भी याद किया, जब आजाद हिंद फौज की एक टुकड़ी ने भी परेड किया था, जो वयोवृद्ध सेनानियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित सम्मान था। इसी तरह, अंडमान द्वीप समूह में फ़ौज की पहचान और उनसे जुड़े स्मृति चिन्हों पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं

'पंच प्रण' के लिए देश की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रधानमंत्री

गुलामी का प्रतीक राजपथ आज से इतिहास का विषयः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गुलामी का प्रतीक किंग्सवे यानी राजपथ आज से इतिहास का विषय बन गया है और हमेशा के लिए मिट गया है। प्रस्तुत है उनके संबोधन की मुख्य बातेंः

- हमारा प्रयास है कि नेताजी की ऊर्जा आज देश का मार्गदर्शन करे; कर्तव्य पथ पर नेताजी की प्रतिमा इसका एक माध्यम बनेगी
- नेताजी सुभाष अखंड भारत के पहले प्रधान थे, जिन्होंने 1947 से पहले अंडमान को आजाद कराया और वहां तिरंगा फहराया
- आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं; आज भारत के संकल्प अपने हैं, लक्ष्य अपने हैं; आज हमारे पथ अपने हैं, प्रतीक अपने हैं
- देशवासियों की सोच और व्यवहार दोनों ही गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो रहे हैं
- राजपथ की भावना और संरचना गुलामी की प्रतीक थी, लेकिन आज इसकी वास्तुकला भी बदली है और इसकी भावना भी बदली है
- अगले गणतंत्र दिवस परेड में सेंट्रल विस्टा के श्रमजीवी और उनके परिवार मेरे विशिष्ट अतिथि होंगे
- नए संसद भवन में काम करने वाले श्रमिकों को एक गैलरी में सम्मान का स्थान मिलेगा
- 'श्रमेव जयते', देश के लिए मंत्र बन रहा है
- आकांक्षी भारत; केवल सामाजिक अवसंरचना, परिवहन अवसंरचना, डिजिटल अवसंरचना और सांस्कृतिक अवसंरचना को बढ़ावा देकर ही तेजी से प्रगति कर सकता है

श्रमिकों और कामगारों के प्रति विशेष आभार

प्रधानमंत्री ने न केवल कर्तव्य पथ के पुनर्विकास में शारीरिक योगदान के लिए, बल्कि उनके श्रम की पराकाष्ठा के लिए भी श्रमिकों और कामगारों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया, जो राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का एक जीवंत उदाहरण है। श्रमजीवियों के साथ अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने देश की महिमा के सपने की प्रशंसा की, जो वे अपने दिलों में रखते हैं। सेंट्रल विस्टा के श्रमजीवी और उनके परिवार अगले गणतंत्र दिवस परेड में प्रधानमंत्री के विशिष्ट अतिथि होंगे।

नए संसद भवन में काम करने वाले श्रमिकों को दिया जायेगा एक गैलरी में सम्मान का स्थान

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि आज देश में श्रम (श्रमिक) और श्रमजीवी (श्रमिकों) के सम्मान की परंपरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नीतियों में संवेदनशीलता के कारण निर्णयों में भी संवेदनशीलता होती है और देश के लिए 'श्रमेव जयते' मंत्र बनता जा रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, विक्रांत और प्रयागराज कुंभ में कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत के उदाहरणों को याद किया। श्री मोदी ने बताया कि नए संसद भवन में काम करने वाले श्रमिकों को एक गैलरी में सम्मान का स्थान दिया जायेगा।

ने कहा कि आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं। आज भारत के संकल्प अपने हैं, लक्ष्य अपने हैं। आज हमारे पथ अपने हैं, प्रतीक अपने हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज अगर राजपथ का अस्तित्व समाप्त होकर कर्तव्य पथ बना है, आज अगर जॉर्ज पंचम की मूर्ति के निशान को हटाकर नेताजी की मूर्ति लगी है, तो ये गुलामी की मानसिकता के परित्याग का पहला उदाहरण नहीं है। ये न शुरुआत है, न अंत है। ये मन और मानस की आजादी का लक्ष्य हासिल करने तक निरंतर चलने वाली संकल्प यात्रा है।

श्री मोदी ने पीएम आवास का नाम रेसकोर्स रोड के स्थान पर लोक कल्याण मार्ग करने, स्वतंत्रता दिवस के समारोहों में भारतीय संगीत वाद्य यंत्र और बीटिंग द रिट्रीट समारोह जैसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों की भी बात की। उन्होंने भारतीय नौसेना द्वारा औपनिवेशिक ध्वज को छत्रपति शिवाजी ध्वज के रूप में बदलने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसी तरह, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक भी देश की महिमा का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये बदलाव सिर्फ प्रतीकों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें देश की नीतियों में भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे सैकड़ों क़ानूनों को बदल चुका है। भारतीय बजट, जो इतने दशकों से ब्रिटिश संसद के समय का अनुसरण कर रहा था, उसका समय और उसकी तारीख भी बदली गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए अब विदेशी भाषा की मजबूरी से भी देश के युवाओं को आजाद किया जा रहा है। यानी देशवासियों की सोच और व्यवहार दोनों ही गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो रहे हैं।

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि कर्तव्य पथ केवल ईंट-पत्थरों का रास्ता भर नहीं है। ये भारत के लोकतान्त्रिक अतीत और सार्वकालिक आदर्शों का जीवंत मार्ग है। यहां जब देश के लोग आएंगे, तो नेताजी की प्रतिमा, नेशनल वार मेमोरियल, ये सब उन्हें कितनी बड़ी प्रेरणा देंगे, उन्हें कर्तव्य बोध से ओत-प्रोत करेंगे। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इसके विपरीत राजपथ ब्रिटिश राज के

लिए था, जिनके लिए भारत के लोग गुलाम थे। राजपथ की भावना भी गुलामी की प्रतीक थी, उसकी संरचना भी गुलामी का प्रतीक थी। आज इसकी वास्तुकला भी बदली है और इसकी आत्मा भी बदली है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से राष्ट्रपति भवन तक फैला यह कर्तव्य पथ, कर्तव्य की भावना से जीवंत होगा।

'कर्तव्य पथ' सांस्कृतिक अवसंरचना का एक और शानदार उदाहरण

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत भौतिक, डिजिटल और परिवहन की अवसंरचना के साथ-साथ सांस्कृतिक अवसंरचना पर भी काम कर रहा है। सामाजिक अवसंरचना के लिए उन्होंने नए एम्स और मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, पानी के कनेक्शन और अमृत सरोवर का उदाहरण दिया। ग्रामीण सड़कों और आधुनिक एक्सप्रेस वे, रेलवे और मेट्रो नेटवर्क और नए हवाई अड्डों की रिकॉर्ड संख्या, अभूतपूर्व तरीके से परिवहन अवसंरचना का विस्तार कर रही है। पंचायतों के लिए ऑप्टिकल फाइबर और डिजिटल भुगतान के रिकॉर्ड पर भारत की डिजिटल अवसंरचना को वैश्विक सराहना मिल रही है।

> राजपथ की भावना भी गुलामी की प्रतीक थी, उसकी संरचना भी गुलामी का प्रतीक थी। आज इसकी वास्तुकला भी बदली है और इसकी आत्मा भी बदली है

सांस्कृतिक अवसंरचना के बारे में बात करते हुए श्री मोदी ने कहा कि इसका मतलब केवल आस्था के स्थानों से जुड़ी अवसंरचना नहीं है, बल्कि इनमें हमारे इतिहास, हमारे राष्ट्रीय नायकों और हमारी राष्ट्रीय विरासत से संबंधित अवसंरचना भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थलों का विकास भी उतनी ही तत्परता से किया जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि सरदार पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी हो या आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित संग्रहालय, पीएम संग्रहालय या बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक या राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, ये सभी सांस्कृतिक अवसंरचना के उदाहरण हैं। श्री मोदी ने आगे विस्तार से बताया कि वे हमारी संस्कृति को एक राष्ट्र के रूप में परिभाषित करते हैं। यह परिभाषित करता है कि हमारे मूल्य क्या हैं और हम उनकी संरक्षा कैसे कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आकांक्षी भारत केवल सामाजिक अवसंरचना, परिवहन अवसंरचना, डिजिटल अवसंरचना और सांस्कृतिक अवसंरचना को बढ़ावा देकर ही तेजी से प्रगति कर सकता है। श्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि आज देश को कर्तव्य पथ के रूप में सांस्कृतिक अवसंरचना का एक और शानदार उदाहरण मिल रहा है।

कर्तव्य पथ की प्रेरणा देश में कर्तव्य का प्रवाह पैदा करेगी

संबोधन के समापन में प्रधानमंत्री ने देश के प्रत्येक नागरिक का आह्वान किया और इस नवनिर्मित कर्तव्य पथ को इसकी महिमा के साथ देखने के लिए एक खुला आमंत्रण दिया। श्री मोदी ने कहा कि इसके विकास में आप भविष्य के भारत को देखेंगे। यहां की ऊर्जा आपको हमारे विशाल राष्ट्र के लिए एक नया दृष्टिकोण, एक नया विश्वास देगी।

प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष के जीवन पर आधारित ड्रोन शो का भी जिक्र किया, जो अगले तीन दिनों तक चलेगा। श्री मोदी ने नागरिकों से यात्रा करने और तस्वीरें लेने का भी आग्रह किया, जिन्हें हैशटैग #KartavyaPath के जरिये सोशल मीडिया पर अपलोड किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि यह पूरा इलाका दिल्ली के लोगों की धड़कन है और शाम को समय बिताने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार के साथ आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कर्तव्य पथ की योजना, डिजाइन और प्रकाश व्यवस्था तैयार की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि कर्तव्य पथ की यह प्रेरणा देश में कर्तव्य का प्रवाह पैदा करेगी और यह प्रवाह हमें एक नए और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर ले जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, केन्द्रीय संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और श्रीमती मीनाक्षी लेखी तथा केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर भी उपस्थित थे। ■

पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' राष्ट्र को समर्पित

'आईएनएस विक्रांत' भारत के सामुद्रिक इतिहास का सबसे विशाल निर्मित पोत है और यह अत्याधुनिक स्वचालित विशेषताओं से लैस है। आईएनएस विक्रांत का निर्माण उन स्वदेशी उपकरणों और मशीनों के उपयोग से किया गया है, जिनकी आपूर्ति भारत के प्रमुख औद्योगिक घरानों तथा 100 से अधिक सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों ने की है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो सितंबर को केरल स्थित कोच्चि में पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' को राष्ट्र की सेवा में समर्पित किया। इस कार्यक्रम के दौरान औपनिवेशिक अतीत से अलग तथा समृद्ध भारतीय सामुद्रिक विरासत के अनुरूप प्रधानमंत्री ने नौसेना के नये ध्वज (निशान) का भी अनावरण किया।

उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां केरल के समुद्री तट पर भारत, हर भारतवासी, एक नये भविष्य के सूर्योदय का साक्षी बन रहा है। आईएनएस विक्रांत पर हो रहा यह आयोजन विश्व क्षितिज पर भारत के बुलंद होते हौसलों की हुंकार है।

उन्होंने कहा कि आज हम सब स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को सच होता देख रहे हैं, जिसमें उन्होंने सक्षम और शक्तिशाली भारत की परिकल्पना की थी। श्री मोदी ने कहा कि विक्रांत विशाल, विराट और विहंगम है। विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है। यह 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यदि लक्ष्य दूरंत हैं, यात्राएं दिगंत हैं, समंदर और चुनौतियां अनन्त हैं, तो भारत का उत्तर है विक्रांत। आजादी के अमृत महोत्सव का अतुलनीय अमृत है विक्रांत। 'आत्मनिर्भर' होते भारत का अद्वितीय प्रतिबिंब है विक्रांत।

राष्ट्र के नये माहौल पर टिप्पणी करते हुये प्रधानमंत्री ने कहा कि आज के भारत के लिये कोई भी चुनौती मुश्किल नहीं रही। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व के उन देशों में शामिल हो गया है, जो स्वदेशी तकनीक से इतने विशाल एयरक्राफ्ट कैरियर का निर्माण करते हैं। आज आईएनएस विक्रांत ने देश को एक नये विश्वास से भर दिया है, देश में एक नया भरोसा पैदा कर दिया है।

श्री मोदी ने नौसेना, कोचीन शिपयार्ड के इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और खासतौर से उन कामगारों के योगदान की सराहना की, जिन्होंने इस परियोजना पर काम किया है। उन्होंने कहा कि ओणम के आनन्ददायी और पवित्र अवसर ने आज के इस अवसर को और अधिक आनन्ददायी बना दिया है।

उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत के हर भाग की अपनी एक खूबी

आईएनएस विक्रांत

'आईएनएस विक्रांत' का डिजाइन भारतीय नौसेना की अपनी संस्था वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है तथा इसका निर्माण पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की शिपयार्ड कंपनी, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने किया है। विक्रांत का निर्माण अत्याधुनिक स्वचालित विशेषताओं से लैस है और वह भारत के सामुद्रिक इतिहास में अब तक का सबसे विशाल निर्मित पोत है।

स्वदेशी वायुयान वाहक का नाम उसके विख्यात पूर्ववर्ती और भारत के पहले विमान वाहक पोत के नाम पर रखा गया है, जिसने 1971 के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह पोत तमाम स्वदेशी उपकरणों और यंत्रों से लैस है, जिनके निर्माण में देश के प्रमुख औद्योगिक घराने तथा 100 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संलग्न थे। विक्रांत के लोकार्पण के साथ भारत के पास दो सक्रिय विमान वाहक पोत हो जायेंगे, जिनसे देश की समुद्री सुरक्षा को बहुत बल मिलेगा।

है, एक ताकत है, अपनी एक विकासयात्रा भी है। उन्होंने कहा कि यह स्वदेशी सामर्थ्य, स्वदेशी संसाधन और स्वदेशी कौशल का प्रतीक है। इसके एयरबेस में जो इस्पात लगा है, वह इस्पात भी स्वदेशी है, जिसे डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने विकसित किया है तथा भारतीय कंपनियों ने निर्मित किया है।

साथ ही, श्री मोदी ने कहा कि आज 2 सितंबर, 2022 वह ऐतिहासिक तारीख है, जब भारत ने गुलामी के एक निशान, गुलामी के एक बोझ को सीने से उतार दिया है। आज से भारतीय नौसेना को एक नया ध्वज मिला है। उन्होंने कहा कि अब तक भारतीय नौसेना के ध्वज पर गुलामी की पहचान बनी हुई थी, लेकिन अब आज से छत्रपति शिवाजी से प्रेरित, नौसेना का नया ध्वज समंदर और आसमान में लहरायेगा।

इस अवसर पर केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मुहम्मद खान, मुख्यमंत्री श्री पिनराई विजयन, केंद्रीय मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री सर्बानन्द सोनोवाल, श्री वी. मुरलीधरन, श्री अजय भट्ट, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल, नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार तथा अन्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने श्री आदि शंकर जन्मभूमि क्षेत्रम का किया दौरा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक सितंबर को कोच्चि के कालडी गांव स्थित श्री आदि शंकर जन्मभूमि क्षेत्रम, जोकि आदि शंकराचार्य की पवित्र जन्मस्थली है, का दौरा किया। इसके अलावा श्री मोदी ने कोच्चि में स्तूपम (श्री कांची कामकोटि पीठम) का भी दौरा किया।

कोच्चि में भारतीय रेलवे और कोच्चि मेट्रो की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक सितंबर को कोच्चि में कोच्चि मेट्रो और भारतीय रेलवे की 4,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने इन परियोजनाओं के लिए सभी को बधाई दी, जो जीवनयापन की आसानी और व्यवसाय सुगमता को और सुविधाजनक बनाते हैं। श्री मोदी ने कहा कि इस शुभ अवसर पर केरल को 4600 करोड़ रुपये से अधिक की कनेक्टिविटी परियोजनाओं का उपहार दिया जा रहा है।

आजादी के अमृत काल के बारे में श्री मोदी ने कहा कि भारतीयों ने आने वाले 25 वर्षों में विकसित भारत के निर्माण के लिए एक विशाल संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के इस रोडमैप में आधुनिक अवसंरचना की बड़ी भूमिका है।

श्री मोदी ने याद किया कि 2017 में उन्हें कोच्चि मेट्रो का उद्घाटन करने का सम्मान मिला था। आज कोच्चि मेट्रो के पहले चरण के विस्तार का उद्घाटन किया जा रहा है और कोच्चि मेट्रो के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कोच्चि मेट्रो का दूसरा चरण युवाओं और पेशेवरों के लिए वरदान साबित होने वाला है।

श्री मोदी ने कहा कि जब परिवहन और शहरी विकास की बात आती है तो पूरे देश में तेजी से विकास हो रहा है और इस कार्य को प्रोत्साहन देते हुए गति दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में केंद्र सरकार ने मेट्रो को शहरी परिवहन का सबसे प्रमुख साधन बनाने के लिए निरंतर काम किया है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य के अन्य बड़े शहरों में भी मेट्रो का विस्तार किया है और यह सेवा केवल राजधानी तक ही सीमित नहीं रह गयी है।

> अभी 1 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं पर काम चल रहा है। कृषि से लेकर उद्योगों तक, यह आधुनिक अवसंरचना केरल में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। केंद्र सरकार केरल की कनेक्टिविटी पर काफी जोर दे रही है। हमारी सरकार केरल की जीवन रेखा कहे जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 66 को भी 6 लेन में बदल रही है

श्री मोदी ने बताया कि देश में पहली मेट्रो लगभग 40 साल पहले चली थी और बाद के 30 वर्षों में केवल 250 किमी मेट्रो मार्ग जोड़े गए थे। पिछले 8 वर्षों के कार्यों पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में 500 किमी से अधिक मेट्रो मार्ग का निर्माण किया गया है और 1000 किमी से अधिक के नए मार्गों पर तेजी से काम चल रहा है।

लाखों भक्तों की लंबे समय से चली आ रही मांग के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देश और दुनिया भर के सबरीमाला भक्तों के लिए, जो मंदिर की यात्रा करना चाहते हैं, एक खुशी का अवसर है। श्री मोदी ने कहा कि एट्टुमानूर-चिंगवनम-कोट्टायम लाइन के दोहरीकरण से भगवान अयप्पा के दर्शन में काफी सुविधा होगी।

केरल में चल रहे कार्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी 1 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाओं पर काम चल रहा है। श्री मोदी ने कहा कि कृषि से लेकर उद्योगों तक, यह आधुनिक अवसंरचना केरल में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। केंद्र सरकार केरल की कनेक्टिविटी पर काफी जोर दे रही है। हमारी सरकार केरल की जीवन रेखा कहे जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 66 को भी 6 लेन में बदल रही है। इस पर 55 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं। ■

तेलंगाना के विकास के मार्ग में रोड़े अटकानेवाली टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकें: जगत प्रकाश नड्डा

प्रजा संग्राम यात्रा को पूरे तेलंगाना में जनता का अपार समर्थन मिला है। इस यात्रा के प्रथम चरण में भाजपा, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री बांदी संजय कुमार ने 36 दिनों में 438 किलोमीटर की यात्रा की। इससे उन्होंने राज्य के 8 जिलों और 19 विधान सभा को कवर किया था। प्रजा संग्राम यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने 31 दिनों में 383 किलोमीटर की पद यात्रा की। यह यात्रा राज्य के 9 संसदीय क्षेत्रों और 5 जिलों से होकर गुजरी। तीसरे चरण में उन्होंने 5 जिलों से गुजरते हुए लगभग 325 किलोमीटर की यात्रा की, जिसका समापन हन्मकोंडा (वारंगल) में हुआ। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने जनता से जुड़ने के इस राज्यव्यापी महाभियान के लिए श्री बांदी संजय कुमार और राज्य की जनता को विशेष रूप से धन्यवाद दिया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 27 अगस्त, 2022 को हन्मकोंडा, वारंगल (तेलंगाना) के आर्ट्स कॉलेज ग्राउंड के विशाल प्रांगण में तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बांदी संजय कुमार की राज्यव्यापी प्रजा संग्राम यात्रा के तीसरे चरण के समापन समारोह पर आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया और तेलंगाना की जनता से राज्य की भ्रष्टाचारी और तेलंगाना के विकास के मार्ग में रोड़े अटकानेवाली टीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्री बांदी संजय कुमार, केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं तेलंगाना के प्रभारी श्री सुनील बंसल, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ, तेलंगाना से भाजपा के सभी सांसद, विधायक श्री एटला राजेंद्र, श्री सुधाकर रेड्डी, श्रीमती विजया शांति, सुश्री श्रुति बंगारू, श्री मुरलीधर राव सहित पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। जनसभा में लोगों की अपार भीड़ उमड़ी थी। पूरा मैदान भाजपा के झंडे से पट गया था।

इससे पहले आज तेलंगाना के एकदिवसीय दौरे पर पहुंचे श्री नड्डा का हैदराबाद पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। भारत की प्रसिद्ध क्रिकेट स्टार सुश्री मिताली राज ने हैदराबाद में श्री नड्डा से मुलाक़ात की। इसके पश्चात् वे हन्मकोंडा, वारंगल के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात् उन्होंने तेलंगाना निर्माण में शहीद हुए लोगों के परिवारजनों से मुलाक़ात भी की।

अराजकता के खिलाफ जनजागृति

प्रजा संग्राम यात्रा के तीसरे चरण की पूर्णाहुति पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि प्रजा संग्राम यात्रा का मकसद केसीआर के अंधेरे से तेलंगाना को निकालकर उजाले की ओर ले जाना है। इस यात्रा का मकसद तेलंगाना में

केसीआर सरकार की अराजकता के खिलाफ जनजागृति की अलख जगानी है। तेलंगाना की जनता केसीआर की सरकार को राज्य से उखाड़ फेंक यत्र-तत्र-सर्वत्र कमल खिलाना चाहती है।

केसीआर पर कारारा प्रहार करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि तेलंगाना की केसीआर निजामवाली सरकार ने आज मेरे कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न करने की हरसंभव कोशिश की। उन्होंने पहले इस ग्राउंड पर प्रजा संग्राम यात्रा की इस रैली की परमिशन को रद्द कर दिया था। फिर रात 12 बजे कोर्ट के दखल के बाद आज यहां पर यह भव्य कार्यक्रम हो रहा है। इसी तरह एयरपोर्ट पर आज मेरे उतरते ही जनविरोधी केसीआर सरकार ने धारा 144 लागू कर दी थी, ताकि हमारे कार्यकर्ता मुझ तक नहीं पहुंच सकें। आज रास्ते में कई जगह स्वागत कार्यक्रम होने थे, लेकिन इस निकम्मी केसीआर सरकार ने वहां भी धारा 144 लागू कर दी थी। इससे पहले जब अलोकतांत्रिक और अनैतिक तरीके से प्रजा संग्राम यात्रा के दूसरे चरण के दौरान हमारे प्रदेश अध्यक्ष श्री बांदी संजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। तब मैं उन्हें छुड़ाने तेलंगाना आया था, लेकिन तब भी मुझे एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया यह कहकर कि कोरोना के कारण आपको जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ये कैसी सरकार चल रही है तेलंगाना में। जनता अत्याचारी टीआरएस सरकार से त्रस्त आ चुकी है और आने वाले समय में वह केसीआर को घर बिठाएगी।

केसीआर पर बरसते हुए श्री नड्डा ने कहा कि तेलंगाना जहां निजामों ने राज किया, उसके अंतिम निजाम थे नवाब मेरे उस्मान अली खां, इनका अंतिम फरमान था— गस्ती निशान 53 इसका मतलब था कि तेलंगाना में कोई भी जनसभा नहीं कर सकता है, बिना परमिशन कोई भाषण नहीं दे सकता है, कोई स्कूल नहीं खोल सकता है, कोई लाइब्रेरी नहीं खोल सकता है, कोई अख़बार नहीं चला सकता है। लेकिन मीर उस्मान अली खां भूल गए कि ये फरमान उनका अंतिम फरमान था। मैं आज के निजाम केसीआर को बताना चाता हूं कि तुम्हारा भी Prohibitory Orders अंतिम फरमान होगा। इसके बाद तुम्हारी भी छुट्टी हो जायेगी।

मनमर्जी से काम कर रही है टीआरएस सरकार

उन्होंने कहा कि तेलंगाना के 11 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना की बाढ़ प्रभावित जनता को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से 377 करोड़ रुपए आवंटित किए और 188 करोड़ रुपये इसमें से रिलीज भी कर दिया गया लेकिन केसीआर की सरकार ने उस राशि से भी जनता को कोई मदद नहीं पहुंचाई। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने जल-जीवन मिशन के तहत तेलंगाना को 3982 करोड़ रुपए दिए, लेकिन केसीआर की सरकार ने उक्त राशि में से महज 200 करोड़ रुपए ही खर्च किए। एक ओर विकास के लिए प्रधानमंत्रीजी तेलंगाना की जनता को विकास की राह पर आगे बढ़ाना चाहते हैं, वहीं केसीआर केंद्र द्वारा दिए गए पैसे को भी दूसरे कार्यों में डायवर्ट कर देते हैं। इससे जनता को जनकल्याण की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता और विकास के मार्ग में बाधा उत्पन्न हो जाती है। केसीआर, केंद्र सरकार की योजनाओं का नाम बदल कर अपने नाम से योजनायें चलाने की नापाक कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के नियमों को भी ताक पर रखकर मनमर्जी से काम टीआरएस सरकार कर रही है।

तेलंगाना को पीछे धकेलने का प्रयास

टीआरएस सरकार पर निशाना साधते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सबसे पहले तेलंगाना राज्य बनाने का समर्थन भारतीय जनता पार्टी ने किया था। पिछले कुछ सालों में केसीआर द्वारा तेलंगाना को पीछे धकेलने का जिस तरह से प्रयास किया गया है। उसके लिए राज्य की जनता केसीआर को कभी भी माफ़ नहीं करेगी। तेलंगाना में कालेश्वरम प्रोजेक्ट भ्रष्टाचार का पर्यायवाची बन गया है। इस प्रोजेक्ट में 40 हजार करोड़ रुपए खर्च होने थे, वहीं भ्रष्टाचार के कारण इसका कॉस्ट बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपए हो गया है फिर भी यह प्रोजेक्ट अब तक पूरा नहीं हो पाया है। कालेश्वरम प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री केसीआर के लिए भ्रष्टाचार का एटीएम बन गया है।

> प्रजा संग्राम यात्रा में जनता की भागीदारी और उनके अपार समर्थन को देखकर यह स्पष्ट हो गया है कि अगली बार तेलंगाना में कमल खिलाने और इन भ्रष्टाचारियों को घर में बिठाने का निश्चय राज्य की जनता ने कर लिया है

केसीआर ने तेलंगाना की जनता को लगातार धोखा दिया

उन्होंने कहा कि केसीआर ने तेलंगाना की जनता को लगातार धोखा दिया है। केसीआर ने गरीबों को टू-बेड रूम देने की बात की थी, लेकिन ये वादे के वादे रह गए। केसीआर ने कहा था कि हर वर्ष सितंबर में हम लिबरेशन-डे मनाएंगे, किंतु तुष्टीकरण की राजनीति के कारण आज वे सबकुछ भूल गए। मजलिस के दबाव में आकर निजाम से छुटकारा मिलने का लिबरेशन-डे अब उन्हें याद ही नहीं है। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही हर साल सितंबर में सरकारी तौर पर लिबरेशन-डे मनाया जाएगा।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रजा संग्राम यात्रा में जनता की भागीदारी और उनके अपार समर्थन को देखकर यह स्पष्ट हो गया है कि अगली बार तेलंगाना में कमल खिलाने और इन भ्रष्टाचारियों को घर में बिठाने का निश्चय राज्य की जनता ने कर लिया है। ■

'प्रधानमंत्रीजी ने जनजाति गौरव को सम्मान देकर उन्हें देश की मुख्यधारा के साथ जोड़ने का कार्य किया है'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 28 एवं 29 अगस्त, 2022 को त्रिपुरा प्रवास पर रहे। यहां उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों, सांसदों-विधायकों, ट्राइबल विधायकों, एमडीसी सदस्यों, गठबंधन की सहयोगी आईपीएफटी और पार्टी की प्रदेश कोर कमिटी के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। श्री नड्डा ने खुमुलवांग, अगरतला में जनजाति जनसभा कार्यक्रम एवं प्रदेश भाजपा कार्यालय, अगरतला में प्रेस वार्ता को संबोधित किया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 अगस्त, 2022 को त्रिपुरा के खुमुलवांग, अगरतला में जनजाति जनसभा कार्यक्रम को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजाति कल्याण के लिए उठाये गए इनिशिएटिव्स पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने राज्य की डबल इंजन वाली भाजपा सरकार द्वारा जनजातियों के जीवन में उत्थान लाने के लिए किये जा रहे प्रयासों को भी सराहा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, उप-मुख्यमंत्री श्री जिष्णु देव वर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री बिप्लब देब, केंद्रीय मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री राजीव भट्टाचार्य एवं प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री विनोद सोनकर सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं त्रिपुरा सरकार के मंत्री उपस्थित थे। इस जनसभा में त्रिपुरा के कोने-कोने से और सभी जनजातियों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि भारत का जनजातीय समाज 'आत्मनिर्भर समाज' की परिकल्पना से जुड़ा रहा है। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने जनजाति ताकत को पहचाना और देश के समग्र विकास में उनके पुरुषार्थ का उपयोग किया। हमारे जनजाति बंधु न केवल देशभक्त हैं, बल्कि जब भी देश में कोई संकट आया है तो वे राष्ट्र की रक्षा के लिए सामने आते हैं। प्रधानमंत्रीजी ने जनजाति गौरव को सम्मान देकर उन्हें देश की मुख्यधारा के साथ जोड़ने का कार्य किया है।

> आजादी के बाद भाजपा को छोड़कर किसी भी सरकार को आदिवासियों की चिंता नहीं हुई

जनजाति समाज को गर्व की अनुभूति करने वाला क्षण

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के 75 साल बाद जनजाति समाज को गर्व की अनुभूति करने वाला क्षण प्रदान किया है। उन्होंने आदिवासी समाज में एक अत्यंत गरीब घर में जन्म लेने वाली बेटी आदरणीय द्रौपदी मुर्मूजी को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर सुशोभित कर न केवल जनजाति समाज को बल्कि देश के जन-जन को गर्व करने का अनुपम अवसर दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार केंद्र सरकार में 8 जनजाति मंत्रियों को स्थान दिया। त्रिपुरा की भाजपा सरकार में भी 5 जनजातीय मंत्री है। आजादी के बाद पहली बार जनजाति समाज की चिंता भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयीजी ने की थी। उन्होंने पहली बार जनजाति कल्याण के लिए अलग से मंत्रालय का गठन किया। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्राइबल्स की स्थापना की। आजादी के बाद भाजपा को छोड़कर किसी भी सरकार को आदिवासियों की चिंता नहीं हुई। आजादी के 75 साल बाद इस इंस्टीट्यूट की स्थापना हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस परिकल्पना को साकार किया और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इसका उद्घाटन किया। आज तक देश में जनजाति गौरव दिवस मनाने के बारे में किसी ने सोचा तक नहीं। आज तक देश में जनजाति गौरव दिवस ही नहीं मनाया जाता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और नेता बिरसा मुंडा की जयंती पर पिछले वर्ष 15 नवंबर को हर वर्ष इस दिन 'जनजाति गौरव दिवस' मनाने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि करीब 64 साल बाद केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर

के राज्यों से आर्म्ड फोर्सेस स्पेशल पावर एक्ट के दायरे को काफी घटा दिया है और जनजाति भाइयों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। ट्राईबल रिसर्च के 27 सेंटर खोले गए हैं जिसमें से 50 प्रतिशत सेंटर, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में स्थापित हैं। लेफ्ट की सरकार में त्रिपुरा में जनजाति भाइयों पर हिंसा और गुंडागर्दी होती थी, डबल इंजन की सरकार में यह ख़त्म हुई है।

जनजाति कल्याण के लिए उठाये गए क़दम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनजाति कल्याण के लिए उठाये गए क़दमों पर विस्तार से चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि एकलव्य मॉडल स्कूल पर कांग्रेस की यूपीए सरकार 277 करोड़ रुपये खर्च करती थी, जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार इस पर 200 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। इसी तरह ट्राइबल विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए बजट को श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 42,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। जनजाति छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु कांग्रेस की यूपीए सरकार में 970 करोड़ रुपये दिए जाते थे जबकि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार इस पर अभी 2,500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। जनजाति उपयोजनाओं के बजट को भी 21,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 86,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। जल-जीवन मिशन के तहत 1.20 करोड़ जनजातीय परिवारों में जल जीवन मिशन के तहत नल से जल पहुंचाया जा रहा है। इसी तरह, आयुष्मान भारत के तहत 1.70 करोड़ जनजातीय परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य बीमा का कवच मिल रहा है। किसान सम्मान निधि का लाभ तीन करोड़ जनजातीय किसानों को मिल रहा है। आदिवासी भाइयों के जल, जंगल और जमीन तथा स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनजातीय परंपरा की चिंता सही मायनों में यदि किसी ने की है, तो वह केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की है। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने विदेशी औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष करने वाले जनजातियों के योगदान को मान्यता देने के लिये 10 राज्यों में 'जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय' बनाने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि वामपंथी सरकार ने हमेशा जनजातियों को उपेक्षा की दृष्टि से देखा। हमारी सरकार महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुरजी को सम्मान देते हुए त्रिपुरा के एयरपोर्ट को इंटरनेशनल बनाने के लिए काम कर रही है। चाहे भूरी बाई हों, दुर्गा बाई हों एवं अन्य जनजाति विभूतियां हों, यह श्री नरेन्द्र मोदी सरकार है जिसने उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जनजाति समाज की बेटियों एवं जनजाति समाज के लोगों को पद्म पुरस्कारों से नवाजा है।

श्री नड्डा ने कहा कि जनजाति कल्याण और जनजाति समाज के विकास का दूसरा नाम है भारतीय जनता पार्टी और जनजाति बंधुओं के जीवन में उत्थान लाने के वाहक हैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी। मैं आप सभी जनजाति भाइयों को भाजपा की ओर से संदेश देना चाहता हूं कि हमारी डबल इंजन की सरकार आपके कल्याण के लिए कटिबद्ध है।

प्रेस वार्ता

'अब त्रिपुरा शांति की राह पर बढ़ चला है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 अगस्त, 2022 को प्रदेश भाजपा कार्यालय, अगरतला में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में त्रिपुरा की डबल इंजनवाली भाजपा सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आजादी का अमृत काल चल रहा है और इसी वर्ष त्रिपुरा भी अपनी स्थापना का 50 वर्ष मना रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार त्रिपुरा का सर्वांगीण विकास कर रही है। त्रिपुरा में 35 वर्षों तक वामपंथी दलों की सरकार रही, जिसने न तो महिला सशक्तीकरण के लिए कुछ किया, न आदिवासियों के लिए कुछ किया और न ही युवाओं के बारे में सोचा। इससे पहले जो कांग्रेस की सरकार थी, उसने त्रिपुरा में आतंकवाद और घुसपैठ को बढ़ावा दिया। कांग्रेस और लेफ्ट की सरकार में उग्रवाद चरम पर था। आये दिन त्रिपुरा बंद और ब्लॉकेड से त्रस्त रहता था। ड्रग्स की तस्करी और करप्शन तो उस सरकार में बिजनेस-सा बन गया था। वह त्रिपुरा के इतिहास का एक काला अध्याय था। प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में त्रिपुरा में सर्वांगीण विकास हो रहा है। पहले पूर्वोत्तर के राज्य उग्रवाद, घुसपैठ, बंद, ब्लॉकेड, ड्रग तस्करी, भ्रष्टाचार और जातीय तनाव की समस्या से आये दिन जूझते रहते थे, लेकिन प्रधानमंत्रीजी ने पूरे नॉर्थ-ईस्ट को अष्टलक्ष्मी का स्वरूप देकर इसे विकास, कनेक्टिविटी, आधारभूत संरचना का विकास, आईटी, औद्योगिक विकास, स्पोर्ट्स, निवेश और ऑर्गेनिक खेती का बड़ा हब बनाया है।

श्री नड्डा ने कहा कि त्रिपुरा में बंद और ब्लॉकेड आज बीते जमाने की बात हो गई है। अब त्रिपुरा शांति की राह पर बढ़ चला है। एनएलएफटी के साथ शांति समझौता हुआ है। राह से भटके लोग आज आत्मसमर्पण कर रहे हैं। युवाओं को रोजगार देकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है। ब्रू-रियांग समझौते के तहत हमारी सरकार ने लगभग 37,000 लोगों को 23 साल बाद शांति और सब की सहमति के साथ उनका सेटलमेंट किया। भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार में त्रिपुरा में राजनीतिक हिंसा रुक गई है। अपहरण, बलात्कार, डकैती और एक्सटॉर्शन के साथ-साथ आतंकी घटनाओं में भी काफी कमी आई है। राजनीतिक हिंसा भी रुक गई है। मुझे ख़ुशी है कि त्रिपुरा में 45+ की पूरी आबादी को वैक्सीनेट किया जा चुका है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में राज्य के लगभग 25 लाख लोगों को मुफ्त आवश्यक राशन पिछले दो साल से दिया जा रहा है। ■

'कार्यकर्ता, संगठन और विचारधारा के आधार पर आगे बढ़नेवाली पार्टी है भाजपा'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 29 अगस्त, 2022 को गुवाहाटी, असम के उजान बाजार में नवनिर्मित भाजपा के नॉर्थ-ईस्ट कार्यालय का उद्घाटन किया और इसे पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए संस्कार का केंद्र और पूर्वोत्तर को भाजपा का गढ़ बनाने का आधार केंद्र बताया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर के राज्यों के भाजपा के सभी मुख्यमंत्री, सभी प्रदेश अध्यक्ष और संगठन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यालय का उद्घाटन के पश्चात् श्री नड्डा ने आईटीए सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उनसे इस कार्यालय का सदुपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिश्व शर्मा, मणिपुर के मुख्यमंत्री श्री एन. बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री श्री माणिक साहा, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं असम के भाजपा प्रभारी श्री बैजयंत जय पांडा, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एम चुबा आओ, मणिपुर के प्रभारी एवं पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दिलीप सैकिया, त्रिपुरा के प्रभारी श्री विनोद सोनकर और क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अजय जामवाल सहित सभी प्रदेश अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय 'पद्म भवन' की चर्चा करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 'पद्म भवन' सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है जिसमें कार्यकर्ताओं की सुविधा की हर बात का ध्यान रखा गया है। कभी किराए के मकान में, दो कमरे के मकान में हमारा कार्यालय चलता था लेकिन

आज न केवल हर जिले में कार्यालय बन रहा है, बल्कि आज पूर्वोत्तर के कार्यालय का भी उद्घाटन हुआ है। यह समय के साथ भाजपा की बदलती हुई तस्वीर है। असम में पांच जिला कार्यालय बन चुके हैं, 18 जिलों में बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है और चार अन्य जिला कार्यालय पर काम चल रहा है। हमारे लिए कार्यालय ऑफिस नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं के लिए संस्कार का केंद्र होता है। कार्यालय रूपी हार्डवेयर से कार्यकर्ताओं के ताकत रूपी सॉफ्टवेयर का उपयोग होना चाहिए। हमारे कार्यकर्ताओं ने निःस्वार्थ भाव से अपना पूरा जीवन पार्टी के उत्थान में अर्पित कर दिया। कुर्सी हमारा लक्ष्य नहीं है बल्कि "तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें" - इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता कटिबद्ध भाव से समर्पित रहते हैं। ■

भाजपा प्रदेश प्रभारियों एवं सह प्रभारियों की नियुक्ति

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 9 सितंबर, 2022 को विभिन्न राज्यों के प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्त की। सूची निम्नलिखित हैः

प्रदेश	प्रभारी	सह-प्रभारी
बिहार	श्री विनोद तावड़े	श्री हरीश द्विवेदी, सांसद
छत्तीसगढ़	श्री ओम माथुर	श्री नितिन नबीन, विधायक
दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव	श्री विनोद सोनकर, सांसद	
हरियाणा	श्री बिप्लब कुमार देब	
झारखंड	श्री लक्ष्मीकांत बाजपेयी, सांसद	
केरल	श्री प्रकाश जावडेकर, सांसद	डॉ. राधामोहन अग्रवाल, सांसद
लक्षद्वीप	डॉ. राधामोहन अग्रवाल, सांसद	
मध्य प्रदेश	श्री पी. मुरलीधर राव	श्रीमती पंकजा मुंडे एवं डॉ. रमाशंकर कठेरिया, सांसद
पंजाब	श्री विजय भाई रूपानी, विधायक	डॉ. नरिंदर सिंह रैना
तेलंगाना	श्री तरूण चुघ	श्री अरविन्द मेनन
चंडीगढ़	श्री विजय भाई रूपानी, विधायक	
राजस्थान	श्री अरूण सिंह, सांसद	श्रीमती विजया राहटकर
त्रिपुरा	डॉ. महेश शर्मा, सांसद	
पश्चिम बंगाल	श्री मंगल पाण्डेय, एमएलसी	श्री अमित मालवीय, सुश्री आशा लकड़ा
नार्थ ईस्ट प्रदेश	डॉ. संबित पात्रा, संयोजक	श्री रितुराज सिन्हा, सह-संयोजक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों का सशक्तीकरण किया : अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 3 सितंबर, 2022 को तिरुअनंतपुरम, केरल में आयोजित अनुसूचित समाज कांफ्रेंस को संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री के. सुरेन्द्रन, केरल के भाजपा प्रभारी श्री सीपी राधाकृष्णन, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एपी अब्दुल्ला कुट्टी, श्री पीके कृष्णराज, श्री कुम्भनम राजशेखरन, सुश्री सीके जानू और पद्मश्री एमके कुंजोल सहित बड़ी संख्या में अनुसूचित समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

केरल में राजनीतिक भविष्य केवल भाजपा में

कांग्रेस और वामपंथियों पर पर जोरदार हमला बोलते हुए श्री शाह ने कहा कि पूरे देश के जनमानस से कांग्रेस धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है और पूरी दुनिया से वामपंथी विचारधारा भी लुप्त होने के कगार पर है। केरल में राजनीतिक भविष्य है तो केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी में ही है।

उन्होंने कहा कि मैं आज कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि क्या कभी आपकी सरकार के मंत्रिपरिषद् में 12 मंत्री अनुसूचित समाज से रहे हैं? यह कार्य हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया है।

जनजाति समाज को आगे बढ़ाए बगैर भारत का विकास असंभव

श्री शाह ने कहा कि जब पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार को देश का राष्ट्रपति चुनने का अवसर मिला, तो हमने दलित समाज के गरीब बेटे श्री रामनाथ कोविंदजी को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर सुशोभित किया और दूसरी बार जब हमें यह अवसर मिला तो हमने आदिवासी समाज के अत्यंत गरीब घर में जन्म लेकर अपने पुरुषार्थ से समाज में एक नई लकीर खींचने वाली बेटी आदरणीया श्रीमती द्रौपदी मुर्मूजी को राष्ट्रपति के पद पर प्रतिष्ठित किया, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का यह दृढ़ विश्वास है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के भाइयों एवं बहनों को आगे बढ़ाए बगैर भारत का विकास असंभव है।

उन्होंने कहा कि देश में लगभग 60 वर्षों तक कांग्रेस की सरकार रही। वामपंथी पार्टियां भी लगभग 8 सालों तक सत्ता में भागीदार रही, लेकिन इन्होंने दलित, आदिवासी और गरीबों के कल्याण के लिए कोई कदम नहीं उठाये। इन्होंने केवल उनके वोट हड़पे। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं जिन्होंने दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों का सशक्तीकरण किया।

उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना में लगभग 10 करोड़ लोगों को ऋण देकर उनका सशक्तीकरण किया गया, उसमें से लगभग 50 प्रतिशत

ऋण दलित समाज के लोगों को दिया गया। इसी तरह उज्ज्वला योजना के तहत श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने 9 करोड़ परिवारों को गैस का कनेक्शन दिया, इसमें से लगभग 5 करोड़ गैस कनेक्शन दलित और आदिवासी समाज की महिलाओं को दिया गया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत देश भर में पिछले 8 वर्षों में लगभग 11 करोड़ शौचालय बनाए गए, इसमें से लगभग 5.50 करोड़ शौचालय एससी और एसटी समाज के लोगों के लिए बनाए गए। नल से जल योजना के तहत जिन 8 करोड़ घरों में पानी पहुंचाया गया है, उसमें से लगभग तीन करोड़ कनेक्शन गरीब, दलित और आदिवासियों घरों में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से भी सबसे अधिक लाभान्वित दलित, आदिवासी और गरीब किसान ही हुए हैं। विगत दो वर्षों से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों तक हर महीने जरूरी अनाज मुफ्त दिए जा रहे हैं। इससे भी सबसे अधिक लाभ अनुसूचित समाज के लोगों को हुआ है।

पंच तीर्थ के रूप में विकास

श्री शाह ने कहा कि जब तक देश में कांग्रेस का शासन रहा, बाबासाहब भीमराव अंबेडकर जी को भारत रत्न नहीं दिया गया। जब केंद्र से कांग्रेस सरकार की विदाई हुई, तब उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल को राष्ट्रीय समरसता दिवस घोषित करके सदा के लिए बाबासाहब को सम्मान देने का कार्य किया। इसी तरह, प्रधानमंत्रीजी ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' घोषित करके संविधान के निर्माण में बाबासाहब के योगदान को देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से अलंकृत करने का कार्य किया है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबासाहब से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थलों जन्मभूमि मऊ, शिक्षा भूमि लंदन, दीक्षा भूमि नागपुर, चैत्य भूमि मुंबई और महापरिनिर्वाण स्थल, अलीपुर को पंच तीर्थ के रूप विकसित करने का कार्य किया है। नयी दिल्ली में बाबासाहब के सम्मान में अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर तैयार किया जा रहा है। परिनिर्वाण स्थल, अलीपुर को स्टेट ऑफ द आर्ट म्यूजियम और बाबासाहब के मेमोरियल के रूप में कन्वर्ट किया गया है। ■

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर विशेष

मोदी स्टोरी

राष्ट्र एक सामाजिक रचना है, भौतिक रचना नहीं: मोदी

अवधूत सुमंत
अधिवक्ता, वडोदरा

अधिवक्ता श्री अवधूत सुमंत 80 के दशक के दौरान वडोदरा में आरएसएस के एक बौद्धिक वर्ग में श्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करते हैं। इस बैठक की अध्यक्षता तत्कालीन आरएसएस सरसंघचालक श्री के.सी. सुदर्शन जी कर रहे थे और श्री मोदी भी वहां मौजूद थे।

बौद्धिक वर्ग पूर्ण होने के बाद चर्चा के लिए सभी को आमंत्रित किया गया और सभी को सुदर्शन जी से सीधे प्रश्न पूछने की अनुमति दी गई। इस दौरान श्री अवधूत सुमंत ने भी एक प्रश्न किया। उन्होंने पूछा, 'राष्ट्र राज्य से अलग है। राज्य की अवधारणा बदल सकती है लेकिन राष्ट्र की धारणा अनूठी और अपरिवर्तनीय है। राष्ट्र अदृश्य और शाश्वत है, कृपया उदाहरण सहित समझाएं।'

इस प्रश्न पर श्री के.सी. सुदर्शन जी ने युवा श्री नरेन्द्र मोदी से जवाब देने का अनुरोध किया।

अपने जवाब में श्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा कि राष्ट्र एक मानव शरीर की तरह है।

श्री मोदी ने आगे एक उदाहरण के साथ अवधारणा को समझाया। उन्होंने श्री अवधूत से पूछा, 'अगर मैं आपको यहां थप्पड़ मारूं तो आप कैसे प्रतिक्रिया करेंगे?'

श्री अवधूत ने उत्तर दिया, 'अगर मैं ऐसा करने के लिए पर्याप्त मजबूत हूं तो मैं आपको थप्पड़ मारूंगा। नहीं तो मैं भाग जाऊंगा।'

इसके बाद श्री मोदी ने आगे कहा, मेरे थप्पड़ मारने से आपके गाल में दर्द होता है, जिसकी प्रतिक्रिया आपके पैर या हाथ से मिलती है। श्री मोदी का इससे मतलब यह था कि शरीर के एक हिस्से में जो समस्याएं दिखाई देती हैं, उसे शरीर के दूसरे हिस्सों द्वारा संवेदनशीलता से महसूस किया जाता है। यदि शरीर में एक-दूसरे के बीच एकजुटता का अभाव है, तो चिकित्सा की दृष्टि से इसे पक्षाघात के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसी तरह, यदि किसी नागरिक को असम, जम्मू और कश्मीर में प्रताड़ित किया जाता है या दबाया जाता है और अगर यह दूसरे नागरिक को उसकी पीड़ा का एहसास नहीं कराता है, तो इसका मतलब है कि राष्ट्र की चेतना खतरे में है। राष्ट्र एक सामाजिक रचना है, न कि भौतिक रचना। जैसाकि पेड़ की एक ही जड़ होती है लेकिन उसकी शाखाएं, पत्ते, फूल और फल अलग-अलग होते हैं। एक साथ रहने वाले लोगों को जोड़ना, उन्हें एक विचारधारा से आत्मसात् करना, वह है राष्ट्र। ■

मोदी स्टोरी

प्रधानमंत्री मोदी- भारतीय खेलों को प्रोत्साहित करने में अग्रणी

दीपा मलिक

पैरालंपिक खिलाड़ी

'फिट इंडिया' से लेकर 'खेलो इंडिया' और टॉप्स योजना तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारतीय खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए अग्रणी रहे हैं। लेकिन इससे भी अधिक श्री मोदी खिलाड़ियों की सफलता का जश्न मनाना पसंद करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत का नाम रोशन करने के बाद वे सम्मानित महसूस करें। साथ ही, वह अगले खेल आयोजन के लिए नए मानक स्थापित करने के लिए भी जाने जाते हैं।

भारत के लिए पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता सुश्री दीपा मलिक ने खेल आयोजन से लौटने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी मुलाकात को याद किया।

भारत के रियो ओलंपिक पदक विजेताओं के सम्मान में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक अभिवादन कार्यक्रम आयोजित किया था। आमंत्रित खिलाड़ियों की सूची में सुश्री दीपा मलिक का नाम भी था, जिन्होंने अपने 10 वर्षों के करियर में पहली बार देश के लिए पदक जीता था।

ग्रीटिंग-एंड-मीट कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पैरालिंपियन को उनके नाम से बुलाया और कहा, 'सुश्री दीपा, आपके पास एक सकारात्मक वाइब है और आप हमेशा सकारात्मक तरीके से बोलते हैं। कई बार, मैं आपके वीडियो देखता हूं और सकारात्मक महसूस करता हूं।'

प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ एक और मुलाकात राष्ट्रपति भवन में आयोजित स्वागत समारोह में हुई। जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ओलंपियनों से हाथ मिला रहे थे। कुछ लोगों ने सुश्री दीपा मलिक की व्हीलचेयर के पीछे से प्रधानमंत्री श्री मोदी से हाथ मिलाने की कोशिश की। लेकिन उन्हें आश्चर्यचकित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने खुद आगे आकर सुश्री दीपा को भीड़ के धक्का से बचाया, उन सभी से पीछे रहने की अपील की, क्योंकि इससे सुश्री दीपा मलिक को चोट लग सकती थी। यहां दो बातें ध्यान देने योग्य है, पहला, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा और दूसरा, उन्हें याद रहा कि सुश्री दीपा मलिक की कुछ सप्ताह पहले रीढ़ की हड्डी की सर्जरी हुई थी। प्रधानमंत्री के इस व्यवहार ने दीपा मलिक में एक विशिष्ट का भाव पैदा किया और अगली बार देश के लिए बेहतर करने के लिए उन्हें प्रेरित भी किया।

एक और अवसर जब प्रधानमंत्री श्री मोदी का खिलाड़ियों में दृढ़ विश्वास देखने को मिला, यह अवसर अहमदाबाद में सामने आया। सुश्री दीपा मलिक को प्रधानमंत्री कार्यालय से एक फोन आया। उन्हें प्रधानमंत्री श्री मोदी के निमंत्रण पर अहमदाबाद पहुंचने के लिए आमंत्रित किया गया था, लेकिन समय बेहद कम था। जब वह अहमदाबाद पहुंचीं, तो सुश्री दीपा मलिक को पता चला कि उन्हें एक ट्रांसस्टेडिया के उद्घाटन में आमंत्रित किया गया था, जहां क्रिकेटर, ओलंपियन और अन्य खेलों के खिलाड़ी भी मौजूद थे। जब प्रधानमंत्री श्री मोदी वहां सुश्री दीपा से मिले, तो उन्होंने कहा कि एक महिला और विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ी के बिना यह लाइन-अप अधूरा था।

साथ ही, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उद्घाटन के लिए खुद सुश्री दीपा मलिक की व्हीलचेयर को मंच तक पहुंचाया। यह पैरालिंपियन के लिए एक मार्मिक क्षण साबित हुआ और उसके पास अभी भी उसी घटना की ट्विटर प्रोफाइल तस्वीर है। कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह भी कहा कि सुश्री दीपा मलिक की जीवनी एक खिलाड़ी को देश के लिए बेहतर करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

सुश्री दीपा मलिक ने इस क्षण को जिम्मेदारी की एक अतिरिक्त भावना जोड़ने के रूप में वर्णित किया है। वह यह भी कहती हैं कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के ये शब्द उन्हें और अधिक जिम्मेदार होने और भारत के लिए बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'अमृतकाल का संकल्प' पुस्तिका का किया विमोचन

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 07 सितंबर, 2022 को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक पर केन्द्रित पुस्तिका 'अमृतकाल का संकल्प' का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी ने श्री नड्डा को 'कमल संदेश' की एक प्रति भी भेंट की।

'अमृतकाल का संकल्प' पुस्तिका में अध्यक्षीय उद्बोधन, माननीय प्रधानमंत्री का उद्बोधन, दोनों प्रस्तावों का पूरा पाठ और इन प्रस्तावों के प्रस्तावकों एवं अनुमोदकों के भाषण शामिल हैं। इसके अलावा, तेलंगाना राज्य पर भाजपा द्वारा जारी बयान और बैठक की कार्यवाही का संक्षिप्त विवरण भी प्रकाशित किया गया है। यह निश्चित रूप से हमारे सुधी पाठकों के लिए एक उपयोगी पुस्तिका है। ■

पंडित जी सिद्धांत आधारित राजनीति और निःस्वार्थ सेवा के लिए जाने जाते हैं

कमल पुष्प

पंडित देवेंद्र शास्त्री
जन्म तिथि: 20 मई 1921
सक्रिय वर्ष: 1951 - 2012
बिजनौर, उत्तर प्रदेश और देहरादून, उत्तराखंड
निस्वार्थ सेवा की कहानी

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

पंडित देवेंद्र शास्त्री जी ने 1936 में अपनी युवावस्था में एक स्वतंत्रता सेनानी रहते हुए अन्याय और तुष्टीकरण के खिलाफ आवाज उठाई और वह आजीवन इन सिद्धांतों पर कायम रहे। 1947 में भी उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कि शेखपुरा, लायलपुर, पाकिस्तानी पंजाब के हिस्से से हिंदुओं को सुरक्षित निकाला जाए, अपने जीवन को जोखिम में डाला। जनसंघ के स्थापना काल से ही वह विभिन्न जनांदोलन में भाग लेते रहे, जिससे उन्हें अपार लोकप्रियता हासिल हुई। श्रमदान देते हुए उन्होंने हरिद्वार के भगवानपुर गांव में एक सिंचाई नहर का निर्माण करवाया, जिसका उद्घाटन बाद में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया। 1953 के 'कश्मीर बचाओ आंदोलन' में भाग लेने के कारण शास्त्री जी को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें तीन महीने बिजनौर, उत्तर प्रदेश और दिल्ली की जेलों में बिताने पड़े। 1951 और 1977 के बीच शास्त्री जी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संगठन मंत्री के रूप में भी कार्य किया। 1977 में आपातकाल के बाद वे देहरादून से विधान सभा के सदस्य के रूप में चुने गए। साथ ही, उन्हें उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी का उपाध्यक्ष और उत्तरांचल प्रदेश संघर्ष समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बाद में वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य भी बने, जबकि पहले जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी के आजीवन सदस्य बने रहे। आम लोगों के मुद्दों को उठाने के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर अलग उत्तरांचल राज्य के अभियान का नेतृत्व करने के लिए उन्हें लगभग तीन साल तक जेल में भी रखा गया था। पंडित देवेंद्र शास्त्री जीवन भर सिद्धांत आधारित राजनीति, निःस्वार्थ सेवा और राष्ट्रवाद के लिए जाने जाते रहे। ■

'कमल खिलाने से क्या-क्या बदलाव आते हैं, यह हरियाणा सरकार ने कर दिखाया है'

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा 2 एवं 3 सितंबर, 2022 को हरियाणा प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने कई सार्वजनिक एवं संगठनात्मक बैठकों में भाग लिया व पार्टी के कार्यक्रमों की समीक्षा की

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 2 सितंबर, 2022 को न्यू अनाज मंडी मैदान, कैथल (कुरुक्षेत्र लोक सभा) में आयोजित विशाल 'अमृत काल संकल्प रैली' को संबोधित किया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा की डबल इंजनवाली भाजपा सरकार की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

जनसभा में श्री नड्डा के साथ-साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश धनखड़, प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री विनोद तावड़े सहित कई वरिष्ठ नेता, सांसद, विधायक एवं प्रदेश सरकार के कई मंत्रीगण उपस्थित थे।

रैली को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि सही समय पर सही बटन दबाकर कमल खिलाने से क्या-क्या बदलाव आते हैं, यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और उनके नेतृत्व में चलनेवाली हमारी हरियाणा सरकार ने कर के दिखाया है। आज हरियाणा में कोई सड़क सिंगल लेन रह नहीं गई है।

हरियाणा के खिलाड़ी परचम लहरा रहे हैं

खेल के क्षेत्र में हरियाणा के अमूल्य योगदान को रेखांकित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि ओलंपिक का मतलब हरियाणा, पैरालंपिक का मतलब हरियाणा, एशियाड का मतलब हरियाणा और कॉमनवेल्थ गेम्स का मतलब हरियाणा। आज हरियाणा के खिलाड़ी खेल के हर वैश्विक स्पर्धा में भारत का परचम लहरा रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक में हमने अब तक का सबसे शानदार प्रदर्शन किया। इसी तरह कॉमनवेल्थ गेम्स में कई खेलों के नहीं रहने के बावजूद 22 गोल्ड मैडल प्राप्त किये और 61 पदकों के साथ हम पांचवें स्थान पर रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह श्री मनोहर लाल खट्टर सरकार खेल के क्षेत्र में कार्य कर रही है और यहां के खेल मंत्री श्री संदीप सिंह जिस तरह से खेलो इंडिया को गति दे रहे हैं, विभिन्न खेलों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसका देश के अन्य राज्यों के खेल मंत्री भी अनुसरण कर रहे हैं।

हरियाणा में विकास

हरियाणा में विकास की कहानी को उद्धृत करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' के तहत हरियाणा के लगभग 19 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। किसान मान धन योजना के तहत राज्य में लगभग 68 हजार किसानों ने रजिस्टर किया है। हरियाणा के लगभग 90 प्रतिशत किसानों को स्वायल हेल्थ कार्ड मिल चुका है। इस मामले में हरियाणा पूरे देश में पहले स्थान पर है। फसल बीमा योजना के तहत प्रदेश में किसानों के लगभग 4,700

करोड़ रुपये के क्लेम का भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश के लगभग 16 लाख परिवार 'आयुष्मान भारत योजना' से लाभान्वित हो रहे हैं। हरियाणा में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का कार्य पूरा हो चुका है।

श्री नड्डा ने कहा कि कैथल में लगभग 997 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज खोला गया है। भिवानी में भी मेडिकल कॉलेज की मंजूरी दी गई है। रेवाड़ी के मनेठी में एम्स का निर्माण होने वाला है। नेशनल हाइवे पर हरियाणा में लगभग 30,000 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। देश भर में 267 स्पोर्ट्स सेंटर खोले जा रहे हैं जिसमें से 8 स्पोर्ट्स सेंटर हरियाणा में खुले हैं। एफडीआई में हरियाणा में लगभग 36,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। झज्जर में नेशनल कैंसर सेंटर बना है। अंबाला में भी लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से कैंसर सेंटर बना है। पलवल से सोहना-मानेसर-खरखौदा होते हुए सोनीपत तक हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस पर लगभग 5600 करोड़ रुपये खर्च होने हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 में हरियाणा में लगभग 8700 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था, आज लगभग 12,500 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। 2014 में हरियाणा में 2050 किमी लंबा हाइवे था, आज यह बढ़कर 3250 किमी हो गया है। लगभग 5,000 नए स्टार्ट-अप अकेले हरियाणा में खुले हैं। कैथल में 20 एकड़ में सब्जी मंडी बन रही है। कैथल-पटियाला रोड का निर्माण हो रहा है और कैथल में रिसर्च सेंटर भी खोले गए हैं।

उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाइये

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन वाली भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार के अच्छे कार्यों को समर्थन दीजिये और डबल इंजनवाली सरकार की ■

देशभर में 14,500 से भी अधिक स्कूलों को 'पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया' के रूप में किया जाएगा विकसित

पीएम श्री स्कूलों का उद्देश्य न केवल गुणात्मक शिक्षण, शिक्षा और संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास करना होगा, बल्कि 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र एवं हरफनमौला विद्यार्थियों को तैयार करना होगा

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पांच सितंबर को एक नई पहल 'पीएम श्री स्कूल्स (पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया)' की घोषणा की। यह देशभर में 14,500 से भी अधिक स्कूलों को उन्नत और विकसित करने के लिए एक नई केंद्र प्रायोजित योजना होगी, जिसके तहत केंद्र सरकार/राज्य/केंद्रशासित, प्रदेश सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित स्कूलों में से चयनित मौजूदा स्कूलों को मजबूत बनाया जाएगा।

पीएम श्री स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी घटकों या विशेषताओं का समावेश होगा और ये अनुकरणीय स्कूलों के रूप में कार्य करेंगे और इसके साथ ही अपने आसपास के अन्य स्कूलों का भी मार्गदर्शन करेंगे। इन स्कूलों का उद्देश्य न केवल गुणात्मक शिक्षण, शिक्षा और संज्ञानात्मक या बौद्धिक विकास करना होगा, बल्कि 21वीं सदी के प्रमुख कौशल से लैस समग्र एवं हरफनमौला विद्यार्थियों को तैयार करना होगा।

इन स्कूलों में अध्यापन कहीं अधिक अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, खेल/खिलौना आधारित (विशेषकर आरंभिक वर्षों में), पूछताछ-आधारित, खोज-उन्मुख, शिक्षार्थी-केंद्रित, चर्चा-आधारित, लचीला और आनंददायक होगा। प्रत्येक कक्षा में प्रत्येक बच्चे द्वारा ज्ञान प्राप्ति में दक्षता प्राप्त करने पर ध्यान दिया जाएगा। सभी स्तरों पर आकलन वैचारिक समझ और वास्तविक जीवन जैसी स्थितियों में संबंधित ज्ञान या जानकारियों के उपयोग पर आधारित होगा और क्षमता आधारित होगा।

ये स्कूल आधुनिक बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित होंगे जिनमें लैब, स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय, खेल उपकरण, आर्ट रूम, इत्यादि शामिल हैं जो समावेशी और सुगम्य हैं। इन स्कूलों को पाठ्यक्रम में जल संरक्षण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, कम ऊर्जा खपत वाली बुनियादी ढांचागत सुविधाओं और छात्रों एवं पर्यावरण के लिए स्वस्थ जीवन शैली का एकीकरण करके 'हरित स्कूलों' के रूप में भी विकसित किया जाएगा।

ये स्कूल अपने-अपने क्षेत्रों में एक ऐसे एकसमान, समावेशी और आनंदमय स्कूली माहौल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में नेतृत्व करेंगे, जिसमें बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी जरूरतों एवं विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ख्याल रखा जाएगा और इसके साथ ही एनईपी 2020 के विजन के अनुसार उन्हें स्वयं सीखने की प्रक्रिया में भागीदार बनाएगा। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पीएम श्री स्कूल योजना को दी मंजूरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सात सितंबर को एक नई केंद्र प्रायोजित योजना— पीएम श्री स्कूल (पीएम स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) को मंजूरी दी। इस योजना की कुल परियोजना लागत 27,360 करोड़ रुपये है। कुल परियोजना लागत में वर्ष 2022-23 से 2026-27 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए 18,128 करोड़ रुपये का केंद्रीय हिस्सा शामिल है। ■

पीएम-श्री स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने का एक आधुनिक, परिवर्तनकारी व समग्र तरीका: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया' पर कहा कि पीएम-श्री स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने का एक आधुनिक, परिवर्तनकारी और समग्र तरीका होगा। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि एनईपी की भावना के अनुरूप पीएम-श्री स्कूल से पूरे भारत में लाखों छात्र लाभान्वित होंगे।

उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि आज शिक्षक दिवस पर मुझे एक नई पहल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है— प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम-श्री) योजना के तहत पूरे भारत में 14,500 स्कूलों का विकास और उन्नयन। ये मॉडल स्कूल बन जाएंगे, जो एनईपी की समग्र भावना को समाहित करेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि पीएम-श्री स्कूलों में शिक्षा प्रदान करने का एक आधुनिक, परिवर्तनकारी और समग्र तरीका होगा। इसमें खोज उन्मुख, ज्ञान-प्राप्ति केंद्रित शिक्षण पर जोर दिया जाएगा। नवीनतम तकनीक, स्मार्ट कक्षा, खेल और आधुनिक अवसंरचना पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने हाल के वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में बदलाव किये हैं। मुझे विश्वास है कि एनईपी की भावना के अनुरूप पीएम-श्री स्कूल से पूरे भारत में लाखों छात्र लाभान्वित होंगे। ■

जीएसटी राजस्व संग्रह लगातार 6 माह से 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक

अगस्त, 2022 में हुआ जीएसटी राजस्व संग्रह अगस्त, 2021 की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक सितंबर को जारी एक बयान के अनुसार लगातार 6 महीने से मासिक जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए को पार कर रहा है। अगस्त के महीने तक जीएसटी संग्रह की प्रगति पिछले वर्ष की इस अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक रही और इसमें काफी अच्छा उछाल बना हुआ है।

अगस्त, 2022 के महीने में एकत्र जीएसटी राजस्व (1,43,612 करोड़ रुपए) पिछले वर्ष के इसी महीने में एकत्रित 1,12,020 करोड़ रुपए के जीएसटी राजस्व से 28 प्रतिशत अधिक है। इस महीने के दौरान माल के आयात से प्राप्त राजस्व 57 प्रतिशत अधिक था और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से एकत्रित राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है।

अगस्त, 2022 के महीने में एकत्र किया गया सकल जीएसटी राजस्व 1,43,612 करोड़ रुपए रहा, जिसमें से सीजीएसटी 24,710 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 30,951 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 77,782 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 42,067 करोड़ रुपए सहित) और 10,161 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 1,018 करोड़ रुपए सहित) उपकर है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से 29,524 करोड़ रुपए सीजीएसटी के लिए और 25,119 करोड़ रुपए एसजीएसटी के लिए तय किए हैं। नियमित निपटान के बाद अगस्त, 2022 के महीने में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 54,234 करोड़ रुपए और एसजीएसटी के लिए 56,070 करोड़ रुपए है।

दरअसल, बेहतर रिपोर्टिंग के साथ-साथ आर्थिक सुधार का जीएसटी राजस्व पर लगातार सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जुलाई, 2022 के महीने के दौरान 7.6 करोड़ ई-वे बिल तैयार हुए, जोकि जून, 2022 के 7.4 करोड़ रुपए की तुलना में मामूली तौर पर अधिक, लेकिन जून, 2021 के 6.4 करोड़ रुपए की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक थे। ■

कोविड-19 के उपचार हेतु नाक से दिए जाने वाले पहले टीके का आपातकालीन उपयोग की मिली मंजूरी

'बीबीवी154 कोविड वैक्सीन' कोविड-19 के खिलाफ 18 वर्ष से ज्यादा आयु के लोगों के लिए आपातकालीन स्थिति में सीमित उपयोग करने के लिए औषधि नियामक 'डीसीजीआई' द्वारा अनुमोदित नाक द्वारा दिया जाने वाला पहला टीका है

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और इसके सार्वजनिक उपक्रम, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बीआईआरएसी) के भारत बायोटेक (बीबीआईएल) के कोविड-19 के उपचार के लिए नाक से दिए जाने वाले अपने प्रकार के पहले टीके, इंट्रानैसल वैक्सीन का आपातकालीन उपयोग करने के लिए औषधि नियामक 'डीसीजीआई' ने अनुमति प्रदान की।

कोविड सुरक्षा अभियान के तत्वावधान में डीबीटी और बीआईआरएसी द्वारा समर्थित इस मिशन को डीबीटी द्वारा शुरू किया गया और बीआईआरएसी द्वारा कार्यान्वित किया गया, जिससे आत्मनिर्भर 3.0 के भाग के रूप में कोविड-19 टीके के विकास की कोशिशों को सुदृढ़ किया जा सके और इसमें तेजी लायी जा सके। वैक्सीन का विकास करने के विभिन्न स्तरों पर डीबीटी प्रयोगशालाओं और बीआईआरएसी ने इसे वैज्ञानिक नेतृत्व प्रदान किया। मिशन कोविड सुरक्षा के अंतर्गत यह चौथी सफल कोविड-19 वैक्सीन है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सात सितंबर को जारी एक बयान के अनुसार बीबीवी154 एक नाक से दिया जाने वाला प्रतिकृति-अल्पता (इंट्रानैसल रेप्लिकेशन-डेफिसिएन्ट) वाले चिंपैंजी एडेनोवायरस एसएआरएस–सीओवी-2 वेक्टरीकृत वैक्सीन है। इसमें स्थिर स्पाइक एसएआरएस–सीओवी-2 (वुहान वेरिएंट) को व्यक्त करने वाला प्रतिकृति-अल्पता वाला सीएचएडी वेक्टर होता है।

डीबीटी के स्वायत्त संस्थान, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई), नई दिल्ली ने परीक्षण प्रतिभागियों पर वैक्सीन-प्रेरित एसएआरएस–सीओवी-2-विशिष्ट प्रणालीगत और म्यूकोसल सेलुलर प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं की जांच करने के लिए अपने 'मानव प्रतिरक्षा निगरानी और टी-सेल इम्यूनोसे प्लेटफॉर्म' का उपयोग किया। इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स (आईआरएसएचए), पुणे ने तीन परीक्षण स्थलों से वायरस के लिए एंटीबॉडी को निष्क्रिय करने के अनुमापांक का निर्धारण करने के लिए प्लाक रिडक्शन न्यूट्रलाइज़ेशन (पीआरएनटी) जांच को पूरा किया।

गौरतलब है कि 'बीबीवी154 कोविड वैक्सीन' कोविड-19 के खिलाफ 18 वर्ष से ज्यादा आयु के लोगों के लिए आपातकालीन स्थिति में सीमित उपयोग करने के लिए डीसीजीआई द्वारा अनुमोदित नाक द्वारा दिया जाने वाला पहला टीका है, जिसे मिशन कोविड सुरक्षा के अंतर्गत देश में विकसित किया जा रहा है। साथ ही, यह केंद्र सरकार की आत्मनिर्भर पहल का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी है। ■

प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत अब तक 46.25 करोड़ लाभार्थियों के खुले 'बैंक खाते'

प्रधानमंत्री जनधन (पीएमजेडीवाई) खाते मार्च, 2015 में 14.72 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 10 अगस्त, 2022 तक 46.25 करोड़ हो गए। 56 फीसदी जनधन खाताधारक महिलाएं हैं और 67 फीसदी जनधन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं

गत 28 अगस्त को केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 10 अगस्त, 2022 तक प्रधानमंत्री जनधन खातों की संख्या 46.25 करोड़ हो गई है। इनमें 56 फीसदी जनधन खाताधारक महिलाएं हैं और 67 फीसदी जनधन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) की घोषणा की थी। 28 अगस्त, 2014 को इस योजना की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने इस मौके को गरीबों की एक दुष्चक्र से मुक्ति का उत्सव कहा था।

पीएमजेडीवाई की 8वीं वर्षगांठ पर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 28 अगस्त, 2022 को कहा कि वित्तीय समावेशन समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के समग्र आर्थिक विकास को सुनिश्चित करता है। 28 अगस्त, 2014 से पीएमजेडीवाई की सफलता का 46 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खुलने और उसमें 1.74 लाख करोड़ रुपये जमा होने से स्पष्ट पता चलता है। इसका विस्तार 67 फीसदी ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों तक हो चुका है और 56 फीसदी जनधन खाताधारक महिलाएं हैं।

उन्होंने कहा कि इन खातों के जरिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रवाह को बढ़ाकर इनके इस्तेमाल पर अतिरिक्त जोर देने के साथ ही, रुपे कार्ड आदि के माध्यम से डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर 'हर घर' से अब 'हर वयस्क' पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

गौरतलब है कि मार्च, 2014 से मार्च, 2020 के बीच खोले गए दो में से एक खाता पीएमजेडीवाई खाता था। देशव्यापी लॉकडाउन के 10 दिनों के भीतर लगभग 20 करोड़ से अधिक महिला पीएमजेडीवाई खातों में अनुग्रह राशि जमा की गई।

पीएमजेडीवाई ने बैंकिंग प्रणाली से वंचित रहे लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है, भारत के वित्तीय ढांचे का विस्तार किया है और लगभग हर वयस्क के लिए वित्तीय समावेशन को संभव बनाया है।

इसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री जनधन खातों के जरिए डीबीटी ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक रुपया अपने लक्षित लाभार्थी तक पहुंचे और प्रणाली में रिसाव (लीकेज) को रोका जा सके।

पीएमजेडीवाई की मुख्य बातें

- **10 अगस्त, 2022 तक पीएमजेडीवाई खातों की कुल संख्या:** 46.25 करोड़; 55.59 फीसदी (25.71 करोड़) जनधन खाताधारक महिलाएं हैं और 66.79 फीसदी (30.89 करोड़) जन धन खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं।
- इस योजना के पहले वर्ष के दौरान 17.90 करोड़ पीएमजेडीवाई खाते खोले गए।
- पीएमजेडीवाई खातों की संख्या मार्च, 2015 में 14.72 करोड़ से तीन गुना बढ़कर 10 अगस्त, 2022 तक 46.25 करोड़ हो गई है।
- पीएमजेडीवाई खातों में कुल जमा शेष राशि 1,73,954 करोड़ रुपये है।
- इन खातों में 2.58 गुना वृद्धि के साथ इनमें जमा होने वाली धनराशि में लगभग 7.60 गुना वृद्धि हुई है (अगस्त, 2022/अगस्त, 2015)। ■

2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 31 अगस्त को स्थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्य दोनों पर 2022-23 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमानों को जारी कर दिया।

2022-23 की पहली तिमाही में स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 36.85 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2021-22 की पहली तिमाही में यह 32.46 लाख करोड़ रुपये थी। पहली तिमाही में 2021-22 के 20.1 प्रतिशत की तुलना में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शायी गई है।

2022-23 की पहली तिमाही में नॉमिनल जीडीपी या जीडीपी 2021-22 की पहली तिमाही में 51.27 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 64.95 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, यह 2021-22 की पहली तिमाही के 32.4 प्रतिशत की तुलना में 26.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। ■

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए भारत में स्वदेशी रूप से विकसित हुआ 'सर्वावैक' टीका

सर्वाइकल कैंसर भारत में दूसरा सबसे अधिक होने वाला कैंसर है और यह बड़े पैमाने पर रोकथाम योग्य होने के बावजूद विश्व में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र विज्ञान), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक सितंबर को सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए भारत के पहले स्वदेशी रूप से विकसित टीका 'सर्वावैक' की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री ने प्रमुख वैज्ञानिकों व गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (क्यूएचपीवी) टीके के वैज्ञानिक समापन की घोषणा की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह अवसर डीबीटी (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) और बीआईआरएसी (जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद्) के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि इस सस्ते और लागत प्रभावी टीके का निर्माण भारत को प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' की सोच के नजदीक ले जाता है।

गौरतलब है कि सर्वाइकल कैंसर भारत में दूसरा सबसे अधिक होने वाला कैंसर है और बड़े पैमाने पर रोकथाम के योग्य होने के बावजूद यह विश्व में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है। हर साल लगभग 1.25 लाख महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर पाया जाता है और इस रोग से भारत में 75 हजार से अधिक मृत्यु हो जाती है। भारत में 83 फीसदी और पूरे विश्व में 70 फीसदी मामलों के लिए इनवेसिव (हमलावर) सर्वाइकल कैंसर एचपीवी 16 या 18 जिम्मेदार है।

दरअसल, सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए सबसे अधिक उम्मीद जगाने वाली पहल ह्यूमन पेपिलोमावायरस (एचपीवी) के खिलाफ टीकाकरण है। यह अनुमान लगाया गया है कि पूरे विश्व में एचपीवी 16 और 18 का सभी इनवेसिव सर्वाइकल कैंसर के मामलों में लगभग 70 फीसदी का योगदान है। ■

क्विक रियक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली की छह उड़ानों का सफल परीक्षण

क्यूआरएसएएम शस्त्र प्रणाली का नयापन यह है कि वह चलित स्थिति में भी काम कर सकती है। इसमें थोड़ी सी देर रुककर तलाश, ट्रैकिंग और गोला-बारी करने की क्षमता है

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना ने आठ सितंबर को ओडीशा तट के निकट एकीकृत परीक्षण क्षेत्र, चांदीपुर से क्विक रियक्शन सर्फेस टू एयर मिसाइल प्रणाली की छह उड़ानों का सफल परीक्षण किया। ये उड़ान परीक्षण भारतीय सेना द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन परीक्षण का हिस्सा हैं।

उड़ान परीक्षण उच्च गति वाले लक्ष्यों पर किया गया था। ये लक्ष्य वास्तविक खतरे के प्रकार के बनाये गये थे, ताकि विभिन्न हालात में हथियार प्रणालियों की क्षमता का आकलन किया जा सके। इसमें लंबी दूरी व मध्यम ऊंचाई वाले लक्ष्य, छोटी रेंज वाले लक्ष्य, ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्य, राडार पर आसानी से पकड़ में न आने वाले लक्ष्य शामिल थे। इन सबको ध्यान में रखते हुए तेजी के साथ दो मिसाइल दागे गये। प्रणाली

के काम करने का मूल्यांकन रात व दिन की परिस्थितियों में भी किया गया।

इन परीक्षणों के दौरान सभी निर्धारित लक्ष्यों को पूरी सटीकता के साथ भेदा गया। मूल्यांकन में हथियार प्रणाली और उसका उत्कृष्ट दिशा-निर्देश और नियंत्रण सटीक पाया गया। इसमें युद्धक सामग्री भी शामिल थी। प्रणाली के प्रदर्शन की पुष्टि आईटीआर द्वारा विकसित टेलीमेट्री, राडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग प्रणाली से भी की गई।

ये परीक्षण स्वदेश में विकसित समस्त उप-प्रणालियों की तैनाती के तहत किया गया, जिसमें स्वदेशी रेडियो फ्रीक्वेंसी सीकर, मोबाइल लॉन्चर, पूरी तरह स्वचालित कमान और नियंत्रण प्रणाली, निगरानी और बहुपयोगी राडार शामिल है। क्यूआरएसएएम शस्त्र प्रणाली का नयापन यह है कि वह चलित स्थिति में भी काम कर सकती है। इसमें थोड़ी सी देर रुककर तलाश, ट्रैकिंग और गोला-बारी करने की क्षमता है। पूर्व में इसका परीक्षण किया जा चुका है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षणों के लिये डीआरडीओ और भारतीय सेना को बधाई दी। उन्होंने भरोसा जताया कि क्यूआरएसएएम शस्त्र प्रणाली सशस्त्र बलों की शक्ति बढ़ाने में बहुत उपयोगी होगी। ■

जीवन का सुख

पं. दीनदयाल उपाध्याय

गतांक से...

व्यक्ति समाज से लेता है, हर समय समाज पर अवलंबित रहता है। इसलिए समाज का सुख, यही व्यक्तिगत सुख होना चाहिए। चार लोग सहायता करते हैं, इससे आदमी आगे चलता है, सुखी बनता है। उसकी भाषा, ज्ञान और कर्मशक्ति समाज पर निर्भर रहती है। केवल हाथ-पैर हिलाना, कर्म नहीं, खेती करना किसने सिखाया? इंजीनियर, कलाकार कहां से बना? तंत्रज्ञान दूसरों से प्राप्त होता है।

समाज मनुष्य को कर्मयोगी बनाता है। समाज नहीं सिखाएगा तो आदमी हाथ-पैर से कर्म नहीं कर सकता। कर्म समाज के द्वारा सिखाए जाते हैं। समाज के लिए जो उपयोगी नहीं, वह कर्म नहीं। केवल उठना, बैठना कर्म नहीं। पागल भी चक्कर लगाता रहता है। वह कर्मयोगी नहीं, क्योंकि उसका कर्म समाज के लिए उपयोगी नहीं। सभी प्रकार का ज्ञान हमें समाज से होता है। मनुष्य को समाज से हटा दिया तो उसे ज्ञान नहीं रहेगा। गुरु, अध्यापन और लोक-संस्कार इनसे हमें अच्छे-बुरे का ज्ञान अलग होगा। हम किसी को उल्लू कहते हैं, तो उसे बुरा लगता है। परंतु अंग्रेजी में 'एज वाइज एन आउल' ऐसा शब्द प्रयोग करते हैं। हम मूर्ख को गधा कहते हैं। परंतु गधा समझदार प्राणी माना जाता है। जो उल्लू को विद्वान् समझता है, उनकी बुद्धि का स्तर क्या होगा, इसके बारे में आप ही कल्पना कर सकते हैं।

समाज ही हमारे विधि निषेध का निर्णय करता है। जब दो लोग मिलते हैं तो हाथ जोड़ते हैं। क्यों? एक हाथ से नमस्कार को बुरा मानते हैं और दो हाथ जोड़कर नमस्कार करने को सम्मान मानते हैं। अफ्रीका में दो आदमी मिले तो परस्पर नाक रगड़ते हैं। हाथ मिलाने की प्रथा पाश्चात्य देशों में है। मैंने एक लेख पढ़ा था। उसमें लिखा था कि ठंडे देश में हाथ मिलाने में आनंद होता है, क्योंकि उससे उष्णता निर्माण होती है। यहां तो गरमी रहती हैं। हाथ को पसीना रहता है, इसलिए हाथ जोड़ना ही अच्छा। तो हमें सब कुछ समाज से प्राप्त होता है। क्या खाना, कैसे खाना इसको समाज देता है। भक्ति भावनाओं का प्रकटीकरण भी समाज हमें सिखाता है। यहां कीर्तन होगा तो बहुत लोग जम जाएंगे। उसमें आनंद मनाएंगे। इंग्लैंड में 'बॉल डांस' प्रचलित है, यहां नहीं। हृदय की तीव्रतम तरंगें जीवन को आंदोलित कर देती हैं। हमारे शरीर को जो आकार मिला है, वह स्वाभाविक नहीं। बंगाल में लोगों के सिर का जो विशिष्ट आकार रहता है, वह दाई देती है। बच्चा पैदा होते ही उसे आकर दिया जाता है। तो इस प्रकार हमारा मन, शरीर, बुद्धि, भक्ति-यह सब समाज से मिलता है। समाज को हटा दिया तो बाक़ी जीवन रहेगा ही नहीं। परंतु जो अत्यंत सहज सामान्य चीज होगी, उसको आदमी भूल जाता है। 'जिंदगी के लिए क्या जरूरी है' ऐसा पूछा जाए तो लोग कहेंगे कि 'रोटी'। परंतु रोटी से पानी अधिक महत्त्व का है। प्रभुदत्त ब्रह्मचारीजी और पुरी के शंकराचार्यजी ने केवल गंगाजल लेकर उपवास किया। पानी न मिला तो एक-दो दिन गुजार सकते हैं, परंतु हवा न मिली तो कुछ मिनटों में खत्म हो जाएंगे। लोग कहते हैं कि पेट पापी है, परंतु सचमुच विचार किया तो सांस पापी है। पेट के लिए सब कुछ करना पड़ता है, पानी के लिए प्रयत्न कम और हवा तो सहज मिल जाती है। जो वस्तु सहज मिलती है, वह आवश्यक होने पर भी दुर्लक्ष्य किया जाता है। हवा की तक़लीफ़ शहरों में रहती है। फैक्टरी में या हिमालय पर सांस मुश्किल हो जाती है। बड़े नगरों में हवा शुद्ध रखने के लिए बड़े प्रयत्न किए जाते हैं।

> समाज हमें स्वाभाविकता से मिला है। इसलिए हमारे ख़याल में नहीं आता। हमें समाज का विस्मरण हो जाता है। यह विस्मरण बढ़ जाएगा, तो हम समाज से दूर हटते जाएंगे। हम समाज से लेते हैं, तो वापस भी देना चाहिए

उसी प्रकार समाज हमें स्वाभाविकता से मिला है। इसलिए हमारे ख़याल में नहीं आता। हमें समाज का विस्मरण हो जाता है। यह विस्मरण बढ़ जाएगा, तो हम समाज से दूर हटते जाएंगे। हम समाज से लेते हैं, तो वापस भी देना चाहिए। हम बैंक के एकाउंट से पैसे निकालते चलें, तो थोड़े ही दिनों में एकाउंट ख़त्म हो जाएगा। इसलिए लेन-देन दोनों चाहिए। हम समाज से लेते रहते हैं और समाज ने न दिया तो गाली देते हैं। मां हमें रोटी देती है, बाजार से साग लाकर देना हमारा काम है। हम खेत से

धान्य लेते हैं और खेत में खाद न डालें तो खेत की शक्ति खत्म हो जाएगी। भगवान् की कृपा से हमारे समाज का सामर्थ्य इतना है कि हम इतने दिन लेते आए, तो भी समाज दे रहा है। अनेक काम स्वाभाविक रीति से होते हैं, व्यवसाय चला आ रहा है। विवाह के समय पुरोहित की आवश्यकता होती है। पुरोहित तैयार किया जाए, इसकी चिंता कोई नहीं करता। त्रिनिडाड के कुछ लोग हिंदुस्तान आए थे। नब्बे सौ वर्ष के पूर्व वे उत्तर प्रदेश, बिहार, मद्रास से वहां गए। वहां के खेत में मजदूरी करते हैं तो अपने लड़कों के विवाह कैसे करना, यह उनके सामने प्रश्न है। रामायण की चार चौपाइयां कहकर विवाह करते हैं। परंतु उनको लगता है कि वेद, मंत्र, सप्तपदी, पद्धति से विवाह विधिवत् होना चाहिए। इसलिए कुछ पुरोहित, पंडित वहां जाने चाहिए तो हमारे समाज में अनेक बातें स्वाभाविक रूप से हैं, हम उनकी चिंता नहीं करते। परंतु कुछ-न-कुछ चिंता करनी पड़ती है।

हमारा सुख समाज के ऊपर निर्भर है। इसलिए आप समाज की चिंता करोगे तो आपको सुख मिलेगा। केवल अपने ही सुख की चिंता करोगे, तो दौड़-धूप, छीना-झपटी हो जाएगी। दूसरे को हंसाने का एक खेल होता है। उसमें पहले खुद हंसना पड़ता है। दूसरे को रोता देखकर आपको भी रोना आता है। एक गांव में एक लड़की थी। वह झाड़ू लगा रही थी, तब उसके मन में विवाह का विचार आया। उसने कल्पना की कि वह ससुराल जाएगी, उसे लड़का पैदा होगा, वह बीमार पड़ेगा और देहात में डॉक्टर न होगा तो वह बच्चा मर जाएगा। इस कल्पना से वह रोने लगी। वहां उसकी मां आई। बेटी को रोता देखकर उसने सोचा कि कोई बुरी खबर आई होगी, तो वह भी रोने लगी। बाद में पड़ोसिन आई, वह मां-बेटी को रोते देखकर रोने लगी। लड़की का बाप आया वह सबको रोते देखकर रोने लगा। थोड़ी देर बाद एक रिश्तेदार आया उसने पूछा कि वे सब क्यों रो रहे हैं, तो उस लड़की के बाप ने कहा, 'ये सब रो रहे थे, इसलिए मैं रो रहा है। पड़ोसिन ने कहा कि मां-बेटी रो रही थीं. मैं तो इसलिए रो रही हूं और फिर मां ने बेटी से पूछा कि बेटी, तू क्यों रो रही थी। बेटी बोली, 'मेरा बच्चा मर गया, मैं इसलिए रो रही हूं।' मां ने पूछा, 'तेरा बच्चा कहां है?' तो उसने अपने मन की कल्पना बता दी। यदि तुम रोना नहीं चाहते तो तुम्हें दूसरों को हंसाना चाहिए। किसान अनाज अपने लिए पैदा करता है क्या? नहीं, बीज बोते समय वह कहता है, 'पशु, पक्षी, देव, किन्नर, गांववाले, राजा, बाल बच्चे - इनके लिए और मेरे लिए अन्न दे।' समाज का ढांचा हो ऐसा है। बुनकर दूसरों के लिए कपड़ा बुनता है। हम समाज से केवल लेने का विचार करेंगे तो दुःखी होंगे। देने में आनंद है, लेने में नहीं। जब हमारे घर अतिथि आता है, तब हम उसको अच्छा भोजन खिलाते हैं। वह तारीफ़ करता है तो हमें आनंद होता है। हमने बढ़िया खाया तो हमें आनंद नहीं होता। मैं एक गृहस्थ के घर गया था। उनके घर में एक ही पलंग था। उन्होंने मुझे उस पर सुला दिया। उसे उसमें ही आनंद मिला। यदि न मिलता तो वह मुझे पलंग पर क्यों सुलाता। यदि मैं पलंग पर सोने के लिए इनकार करता तो उसे दुःख होता। समाज के लिए काम करने में आनंद है। जब मानव यह भूल जाता है, तब विकृति निर्माण होती है। पेट भर गया तो और ज्यादा खाना नहीं और खाते गए तो बीमार हो जाते हैं। पेट कहता है 'बस' परंतु पेट की बात हमने नहीं सुनी तो उसे दुःख होता है। अगर हमारा सुख समाज के ऊपर निर्भर है तो समाज सुखी बनाने का तरीका निकालेगा। जितने भी तरीके निकालेंगे, उतने ही हम ऊपर बढ़ते जाएंगे। स्वार्थ यानी अधर्म है और परमार्थ यानी धर्म। हम जो व्यवहार करते हैं, वह हमें कंपाउंड इंटेरेस्ट से मिल जाता है। यही धर्म का रास्ता है। इससे ही समाज तुष्ट हो जाता है और इस पर ही हमारा सुख और योगक्षेम निर्भर है। (समाप्त)

अगर हमारा सुख समाज के ऊपर निर्भर है तो समाज सुखी बनाने का तरीका निकालेगा। जितने भी तरीके निकालेंगे, उतने ही हम ऊपर बढ़ते जाएंगे। स्वार्थ यानी अधर्म है और परमार्थ यानी धर्म। हम जो व्यवहार करते हैं, वह हमें कंपाउंड इंटेरेस्ट से मिल जाता है। यही धर्म का रास्ता है। इससे ही समाज तुष्ट हो जाता है और इस पर ही हमारा सुख और योगक्षेम निर्भर है

-संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग: मैसूर, मई 19, 1967

ब्रिटेन को पीछे छोड़ भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

गत तीन सितंबर को जारी ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2022 के अंत में ब्रिटेन को पीछे छोड़ भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। यह गणना आईएमएफ डेटाबेस और विनिमय दरों पर आधारित थी। उल्लेखनीय है कि उसके आगे अब सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी हैं।

यह दूसरी बार है जब भारत ने ब्रिटेन को पीछे छोड़ा है, जबकि 2019 में पहली बार भारत की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था से आगे हुई थी।

डॉलर एक्सचेंज रेट के हिसाब से नॉमिनल कैश टर्म्स में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार मार्च तिमाही में 854.7 अरब डॉलर रहा। इसी आधार पर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आकार 814 अरब डॉलर था। ■

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का निधन

ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का आठ सितंबर को स्कॉटलैंड के बालमोरल कैसल में निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 70 वर्षों का शासन महारानी विक्टोरिया के शासन काल से सात वर्ष अधिक था। एलिजाबेथ द्वितीय छह फरवरी, 1952 को अपने पिता किंग जॉर्ज षष्ठम की मृत्यु के बाद महारानी बनीं। अगले वर्ष वेस्टमिंस्टर एबे में उनका राज्याभिषेक हुआ।

महारानी के सम्मान में भारत सरकार ने 11 सितंबर को देश भर में एक दिन का राजकीय शोक मनाने का निर्णय किया। राजकीय शोक वाले दिन देश भर में उन सभी भवनों पर, जहां राष्ट्रीय ध्वज नियमित रूप से फहराया जाता है, राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और उस दिन कोई आधिकारिक मनोरंजन की गतिविधि आयोजित नहीं होगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक व्यक्त किया। सिलसिलेवार ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा कि महामहिम महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को हमारे समय के एक दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने अपने राष्ट्र और लोगों को प्रेरक नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में गरिमा और शालीनता का परिचय दिया। उनके निधन से आहत हूं। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और ब्रिटेन के लोगों के साथ हैं।

उन्होंने कहा कि 2015 और 2018 में ब्रिटेन की अपनी यात्राओं के दौरान मेरी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के साथ यादगार भेंट हुईं। मैं उनके उत्साह पूर्ण भाव और सहृदयता को कभी नहीं भूलूंगा। एक बैठक के दौरान उन्होंने मुझे वह रूमाल दिखाया जो महात्मा गांधी ने उन्हें उनके विवाह में उपहार में दिया था। मैं उस भावपूर्ण क्षण को हमेशा संजोकर रखूंगा। ■

कर्नाटक के मंत्री उमेश विश्वनाथ कट्टी नहीं रहे

कर्नाटक के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और वन एवं पारिस्थितिकी मंत्री श्री उमेश विश्वनाथ कट्टी का 6 सितंबर को दिल का दौरा पड़ने से बेंगलुरु में निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे।

रमैया अस्पताल में मीडिया को जानकारी देते हुए राजस्व मंत्री श्री आर. अशोक ने कहा कि श्री कट्टी को बेंगलुरु में उनके घर पर दिल का दौरा पड़ा और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा पाये।

उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ बेलगावी जिले के हुक्केरी तालुक में उनके पैतृक गांव बेल्लादा बगेवाड़ी में किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई और अन्य नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा श्री उमेश कट्टी जी एक अनुभवी नेता थे, जिन्होंने कर्नाटक के विकास में भरपूर योगदान दिया। उनके निधन से आहत हूं। इस दुःखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं।"

श्री नड्डा ने कहा, "श्री उमेश कट्टी जी के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुःख हुआ। उनका जाना कर्नाटक के लिए बहुत बड़ी क्षति है। कर्नाटक के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। इस मुश्किल घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और शुभचिंतकों के साथ हैं।"

श्री कट्टी कर्नाटक के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे और विधान सभा में लगभग चार दशकों से कार्यरत थे। उन्होंने नौ चुनाव लड़े और उनमें से आठ में जीत हासिल की। उन्होंने श्री बीएस येदियुरप्पा, श्री डीवी सदानंद गौड़ा, श्री जगदीश शेट्टार और श्री बसवराज बोम्मई के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में कार्य किया। ■

'कच्छ का विकास' सार्थक बदलाव का एक आदर्श उदाहरण: नरेन्द्र मोदी

कच्छ में आज दुनिया का सबसे बड़ा सीमेंट संयंत्र है। वेल्डिंग पाइप निर्माण के मामले में कच्छ दुनिया में दूसरे स्थान पर है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा संयंत्र कच्छ में है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त को भुज में लगभग 4400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इससे पहले उन्होंने भुज जिले में स्मृति वन स्मारक का भी उद्घाटन किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भुज में स्मृति वन स्मारक और अंजार में वीर बाल स्मारक गुजरात के कच्छ जिले और पूरे देश के साझा दर्द के प्रतीक हैं। उन्होंने उस पल को याद किया जब अंजार स्मारक की अवधारणा सामने आई और स्वैच्छिक कार्य 'कार सेवा' के माध्यम से स्मारक को पूरा करने संकल्प लिया गया था।

श्री मोदी ने कहा कि इन स्मारकों को विनाशकारी भूकंप में मारे गए लोगों की याद में भारी मन से समर्पित किया जा रहा है। उन्होंने आज लोगों के गर्मजोशी से स्वागत के लिए भी उन्हें धन्यवाद दिया।

उन्होंने आज अपने दिल में उतरी अनेक भावनाओं को याद किया और पूरी विनम्रता के साथ कहा कि दिवंगत आत्माओं की स्मृति में, स्मृति वन स्मारक 9/11 स्मारक और हिरोशिमा स्मारक के बराबर है। उन्होंने लोगों और स्कूली बच्चों से स्मारक का दौरा करते रहने को कहा, ताकि प्रकृति का संतुलन और व्यवहार सबके लिए साफ रहे।

एशिया का पहला एसईजेड कच्छ में बना है। कांडला और मुंद्रा बंदरगाह भारत के कार्गो का 30 प्रतिशत संभालते हैं और यह देश के लिए 30 प्रतिशत नमक का उत्पादन करता है। कच्छ सौर और पवन ऊर्जा से उत्पन्न 2500 मेगावाट बिजली का उत्पादन करता है और कच्छ में सबसे बड़ा सौर हाइब्रिड पार्क बनने वाला है

2001 में पूरी तरह से तबाही मचने के बाद किए गए अविश्वसनीय कार्यों पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि 2003 में कच्छ में क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्णवर्मा विश्वविद्यालय का गठन किया गया था, जबकि 35 से अधिक नए कॉलेज भी स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने भूकंपरोधी जिला अस्पतालों और क्षेत्र में कार्य कर रहे 200 से अधिक क्लीनिकों के बारे में भी बात की। श्री मोदी ने कहा कि हर घर को पवित्र नर्मदा का साफ पानी मिलता है, जो पानी की कमी के दिनों में बहुत दूर की बात थी। उन्होंने क्षेत्र में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के कदमों के बारे में विस्तार से चर्चा की।

श्री मोदी ने कहा कि कच्छ के लोगों के आशीर्वाद से सभी प्रमुख क्षेत्रों को नर्मदा के पानी से जोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि कच्छ भुज नहर क्षेत्र के लोगों और किसानों को लाभान्वित करेगी।

श्री मोदी ने कच्छ को पूरे गुजरात का नंबर एक फल उत्पादक जिला बनने के लिए बधाई दी। उन्होंने पशुपालन और दूध उत्पादन में अभूतपूर्व प्रगति करने के लिए लोगों की सराहना की। श्री मोदी ने कहा कि कच्छ ने न केवल खुद को उठाया है, बल्कि पूरे गुजरात को नई ऊंचाइयों पर ले गया है।

श्री मोदी ने उस समय को याद किया जब गुजरात एक के बाद एक संकट से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि जब गुजरात प्राकृतिक आपदा से निपट रहा था, तब साजिशों का दौर शुरू हो गया था। देश और दुनिया में गुजरात को बदनाम करने के लिए, यहां निवेश को रोकने के लिए एक के बाद एक साजिशें की गईं। ऐसी स्थिति में भी एक तरफ गुजरात देश में आपदा प्रबंधन कानून बनाने वाला पहला राज्य बना। इस कानून ने महामारी के दौरान देश की हर सरकार की मदद की।

श्री मोदी ने कहा कि कच्छ में आज दुनिया का सबसे बड़ा सीमेंट संयंत्र है। वेल्डिंग पाइप निर्माण के मामले में कच्छ दुनिया में दूसरे स्थान पर है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा संयंत्र कच्छ में है। एशिया का पहला एसईजेड कच्छ में बना है। कांडला और मुंद्रा बंदरगाह भारत के कार्गो का 30 प्रतिशत संभालते हैं और यह देश के लिए 30 प्रतिशत नमक का उत्पादन करता है। कच्छ सौर और पवन ऊर्जा से उत्पन्न 2500 मेगावाट बिजली का उत्पादन करता है और कच्छ में सबसे बड़ा सौर हाइब्रिड पार्क बनने वाला है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कच्छ का विकास 'सबका प्रयास' के साथ एक सार्थक बदलाव का एक आदर्श उदाहरण है। श्री मोदी ने कहा कि कच्छ सिर्फ एक स्थान नहीं है, बल्कि ये एक स्पिरिट है, एक जीती-जागती भावना है। ये वो भावना है, जो हमें आज़ादी के अमृतकाल के विराट संकल्पों की सिद्धि का रास्ता दिखाती है। ■

भारत-बांग्लादेश के बीच कुशियारा नदी जल बंटवारे समेत सात प्रमुख समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना पांच सितंबर से आठ सितंबर तक चार दिवसीय भारत यात्रा कीं। इस यात्रा के दौरान कुशियारा नदी के जल बंटवारा, जल प्रबंधन, रेलवे, विज्ञान और प्रौद्योगिकी समेत सात प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश ने छह सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना की वार्ता के बाद इन समझौतों पर हस्ताक्षर किये।

वार्ता के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत और बांग्लादेश को मिलकर उन आतंकवादी तथा चरमपंथी ताकतों का सामना करना होगा, जो दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास पर हमला कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि आज हमने आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ सहयोग पर भी जोर दिया। 1971 की भावना को जीवित रखने के लिए बहुत जरूरी है कि हम ऐसी ताकतों का मिलकर सामना करें जो हमारे आपसी विश्वास पर हमला करती हों।

श्री मोदी ने कहा कि भारत और बांग्लादेश की सीमाओं से 54 नदियां गुजरती हैं और ये सदियों से दोनों देशों के लोगों की आजीविका से जुड़ी हैं।

उद्घाटित/घोषित/अनावृत परियोजनाएं

1. **मैत्री बिजली संयंत्र का अनावरण—** रामपाल, खुलना में 1320 (660x2) मेगावाट क्षमता वाले सुपर क्रिटिकल कोयला आधारित ताप बिजली संयंत्र की स्थापना लगभग 2 अरब डॉलर की अनुमानित लागत से की जा रही है, जिसमें 1.6 अरब डॉलर की राशि रियायती वित्त पोषण के तहत भारतीय विकास सहायता के रूप में होगी।
2. **रूपशा पुल का उद्घाटन—** 5.13 किलोमीटर लंबा रूपशा रेल पुल 64.7 किलोमीटर लंबे खुलना-मोंगला बंदरगाह सिंगल ट्रैक ब्रॉड गेज रेल परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो पहली बार मोंगला बंदरगाह को रेल माध्यम से खुलना से और उसके बाद मध्य व उत्तर बांग्लादेश तक तथा भारत की सीमा में पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल और गेदे तक को जोड़ता है।
3. **सड़क निर्माण संबंधी उपकरण और मशीनरी की आपूर्ति–** इस परियोजना के अंतर्गत बांग्लादेश सड़क और राजमार्ग विभाग को 25 पैकेजों में सड़क रख-रखाव और निर्माण उपकरणों व मशीनरी की आपूर्ति शामिल है।
4. **खुलना दर्शना रेलवे लाइन लिंक परियोजना—** यह परियोजना वर्तमान में गेदे-दर्शना में क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक को खुलना से जोड़ने वाली मौजूदा अवसंरचना (ब्रॉड गेज का दोहरीकरण) का उन्नयन है। इस प्रकार दोनों देशों के बीच, विशेष रूप से ढाका तक लेकिन भविष्य में मोंगला पोर्ट के लिए भी रेल संपर्क में वृद्धि होगी। इस परियोजना की लागत 312.48 मिलियन डॉलर आंकी गई है।
5. **पार्बतीपुर-कौनिया रेलवे लाइन—** मौजूदा मीटर गेज लाइन को दोहरी गेज लाइन में परिवर्तित करने की परियोजना पर 120.41 मिलियन डॉलर की लागत आने का अनुमान है। यह परियोजना बिरोल (बांग्लादेश)-राधिकापुर (पश्चिम बंगाल) में मौजूदा क्रॉस बार्डर रेल से जुड़ेगी और इससे द्विपक्षीय रेल संपर्क में वृद्धि होगी। ■

भारत और बांग्लादेश के बीच हुए समझौते/समझौता ज्ञापन

क्र. सं.	एमओयू/समझौते का नाम
1	जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार और जल संसाधन मंत्रालय, बांग्लादेश सरकार के बीच सीमा पर बहने वाली कुशियारा नदी से पानी की निकासी के संबंध में भारत और बांग्लादेश के बीच समझौता ज्ञापन।
2	भारत में बांग्लादेश रेलवे के कर्मियों के प्रशिक्षण के संबंध में रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), भारत सरकार और रेल मंत्रालय, बांग्लादेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन।
3	रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), भारत सरकार और रेल मंत्रालय, बांग्लादेश सरकार के बीच बांग्लादेश रेलवे के लिए एफओआईएस जैसी आईटी प्रणालियों एवं अन्य आईटी अनुप्रयोगों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन।
4	बांग्लादेश के न्यायिक अधिकारियों के लिए भारत में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम के संबंध में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भारत और बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के बीच समझौता ज्ञापन।
5	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर), भारत और बांग्लादेश वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (बीसीएसआईआर), बांग्लादेश के बीच वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी संबंधी सहयोग पर समझौता ज्ञापन।
6	अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग पर समझौता ज्ञापन
7	प्रसारण में सहयोग के लिए प्रसार भारती और बांग्लादेश टेलीविजन (बीटीवी) के बीच समझौता ज्ञापन।

'मोदी@20' पुस्तक पर परिचर्चा

'नरेन्द्र मोदी के गत 20 वर्ष सेवा, सुशासन और समर्पण के रहे हैं'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 27 अगस्त, 2022 को रायपुर (छत्तीसगढ़) में 'मोदी@20' पुस्तक पर आयोजित परिचर्चा को संबोधित किया और देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से जुड़े विभिन्न आयामों से छत्तीसगढ़ की जनता को रू-ब-रू कराया। उन्होंने विस्तार से प्रधानमंत्रीजी की सोच, उनकी निर्णय शक्ति, उनके अप्रोच, उनके संघर्ष और लक्ष्य के प्रति उनकी कर्तव्यनिष्ठा पर विस्तार से चर्चा की और उनके जीवन से देशवासियों को प्रेरणा लेने की अपील की। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. रमन सिंह, पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ की प्रभारी एवं डॉ. डी. पुरुंदेश्वरी, छत्तीसगढ़ के सह-प्रभारी श्री नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह और श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्री सुनील सोनी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और बाद में देश के प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के 20 वर्ष सेवा, सुशासन और समर्पण के रहे हैं। श्री शाह ने कहा कि कई लोग मुझसे कहते हैं कि श्री नरेन्द्र मोदी के देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में हर क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन आया। इसका कारण क्या है? मेरा मानना है कि इसके बहुत से कारण हैं। आजादी के 70 साल बाद देश के गरीबों को पहली बार इस बात का अनुभव हुआ कि गरीबों का अस्तित्व भी इस देश में है और उनकी भी सुनी जाती है। उन्हें पहली बार अहसास हुआ कि केंद्र में गरीबों की चिंता करने वाली सरकार हैं। देश के लगभग 60 करोड़ लोगों के जीवन में उत्थान पिछले 8 वर्षों में श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में हुआ है। आजादी के 70 साल बाद गरीबों को घर मिला, उन घरों में बिजली, पानी, गैस और शौचालय पहुंचा। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में पहली बार गरीबों के जीवन में सार्थक परिवर्तन आया। कांग्रेस की सरकारों ने गरीबी हटाओ के नारे में लगाए, उनके नेताओं ने गरीबों के घर खाना भी खाया, इसके बल पर उन्होंने चुनाव भी जीते, लेकिन गरीबी नहीं गई। गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाया तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने क्योंकि उन्होंने गरीबी को देखा है, गरीबी का अनुभव किया है और गरीबी को जीया है। ■

संगठनात्मक बैठक, मुंबई

'धोखेबाज नेताओं को सबक सिखाने का समय आ गया है'

मुंबई भाजपा के पदाधिकारियों, नेताओं, विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को मुंबई में संबोधित करते हुए 05 सितंबर, 2022 को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने के लिए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से धोखेबाज नेताओं को बर्दाश्त नहीं करने का आह्वान किया। श्री शाह ने कहा, "उन्हें उनकी जगह दिखाने और सबक सिखाने का समय आ गया है। धोखेबाज नेताओं को सहने की आदत न डालें। आप राजनीति में किसी भी चीज को नजरअंदाज कर सकते हैं, लेकिन विश्वासघात को नजरअंदाज नहीं कर सकते। दूसरों के साथ विश्वासघात करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शिवसेना ने 2014 में केवल दो सीटों के लिए भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया था, साथ ही श्री शाह ने दोहराया कि मुख्यमंत्री पद पर 2019 के चुनावों में उद्धव ठाकरे से कोई वादा नहीं किया गया था। श्री नरेन्द्र मोदी और श्री देवेंद्र फडणवीस के नाम पर वोट मांगने के बाद ठाकरे ने भाजपा को धोखा दिया। अब हमारे कार्यकर्ताओं को उन्हें उनकी जगह दिखानी चाहिए। हमारा लक्ष्य बीएमसी चुनाव में 150 सीटें जीतना है। मुंबई में भाजपा का दबदबा होना चाहिए।

जून में महा विकास अघाड़ी सरकार के पतन के बाद शिवसेना के हालिया घटनाक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने शिवसेना को नहीं गिराया, वे अपने अहंकार और धोखे की राजनीति के कारण नष्ट हुए हैं।

उपमुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बीएमसी चुनाव जीतने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, क्योंकि अभी नहीं तो कभी नहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे नेतृत्व वाला दल ही मूल शिवसेना है, जो भाजपा के साथ है। हमारा एकमात्र उद्देश्य बीएमसी को जीतना होना चाहिए, जिसके लिए सभी नेता, कार्यकर्ता और समर्थक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि किसी को भी नेताओं के आदेश का इंतजार नहीं करना चाहिए और मुंबई में भाजपा का मेयर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। ■

"विकसित भारत' के निर्माण के लिए देश के विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार करना बहुत आवश्यक'

'पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान' के तहत 250 से ज्यादा रेल और सड़क परियोजनाओं की पहचान की गई है जो निर्बाध बंदरगाह कनेक्टिविटी में मदद करेंगी

गत दो सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलुरु में तकरीबन 3800 करोड़ रुपये की मशीनीकरण और औद्योगीकरण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से कर्नाटक में जीवन और 'ईज़ ऑफ लिविंग' में बढ़ोतरी होगी। खासकर 'एक जिला और एक उत्पाद' योजना यहां मछुआरों, कारीगरों और क्षेत्र के किसानों के उत्पादों के लिए बाजार की उपलब्धता की सुविधा प्रदान करेगी।

पांच प्रणों पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि लाल किले की प्राचीर से उन्होंने जिन पांच प्रणों की बात की थी, उनमें से पहला प्रण एक विकसित भारत के निर्माण का है। श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए देश के विनिर्माण क्षेत्र 'मेक इन इंडिया' का विस्तार करना बहुत जरूरी है।

बंदरगाह आधारित विकास की दिशा में देश द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर ख़ासा जोर दिया कि ये विकास का एक महत्वपूर्ण मंत्र है। ऐसे प्रयासों के कारण भारत के बंदरगाहों की क्षमता सिर्फ 8 वर्षों में लगभग दोगुनी हो गई है।

पिछले 8 वर्षों में प्राथमिकता वाले बुनियादी ढांचे के विकास पर टिप्पणी करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कर्नाटक को ही इससे अत्यधिक लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक राज्य सागरमाला योजना के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है।

श्री मोदी ने कहा कि इस राज्य में गत आठ वर्षों में 70 हजार करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं जोड़ी गई हैं और एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाएं कतार में हैं। कर्नाटक में परियोजनाओं के लिए रेल बजट पिछले 8 वर्षों में चार गुना बढ़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ये सुनिश्चित कर रही है कि जिन लोगों को उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण भुला दिया गया, उनकी अब उपेक्षा न हो। श्री मोदी ने कहा कि छोटे किसानों, छोटे व्यापारियों, मछुआरों, रेहड़ी-पटरी वालों और ऐसे करोड़ों लोगों को पहली बार देश के विकास का लाभ मिलना शुरू हुआ है।

उन्होंने कहा कि आज डिजिटल भुगतान ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गए हैं और भीम-यूपीआई जैसे हमारे इनोवेशन पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आज देश के लोग मजबूत कनेक्टिविटी के साथ तेज और सस्ता इंटरनेट चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि आज करीब 6 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाकर ग्राम पंचायतों को जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 5जी की सुविधा इस क्षेत्र में एक नई क्रांति लाने वाली है। मुझे खुशी है कि कर्नाटक की डबल इंजन सरकार भी लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं को तेजी से पूरा करने के लिए काम कर रही है।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले साल, इतने सारे वैश्विक व्यवधानों के बावजूद भारत का निर्यात कुल 670 बिलियन डॉलर यानी 50 लाख करोड़ रुपये का था। भारत ने हर चुनौती को पार करते हुए 418 अरब डॉलर यानी 31 लाख करोड़ रुपये के व्यापारिक निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों से देश में पिछले कुछ वर्षों में तटीय यातायात में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न बंदरगाहों पर बढ़ी हुई सुविधाओं और संसाधनों के कारण अब तटीय आवाजाही आसान हो गई है।

श्री मोदी ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि पोर्ट कनेक्टिविटी बेहतर हो, इस काम में तेजी आए। इसलिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत 250 से ज्यादा रेल और सड़क परियोजनाओं की पहचान की गई है, जो निर्बाध बंदरगाह कनेक्टिविटी में मदद करेंगी।

प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के करावली क्षेत्र का जिक्र करते हुए अपने संबोधन का समापन किया। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा देशभक्ति की, राष्ट्रीय संकल्प की इस ऊर्जा से बहुत प्रेरित महसूस करता हूं। मंगलुरु में दिखाई देने वाली ये ऊर्जा ऐसे ही विकास के पथ को रोशन करती रहे। ■

'डिजिटल इंडिया' नया सवेरा लेकर आया है: नरेन्द्र मोदी

जो सुविधाएं कभी सिर्फ बड़े शहरों में होती थीं, वह डिजिटल इंडिया ने गांव–गांव में पहुंचा दी हैं। इस वजह से देश में नए डिजिटल उद्यमी पैदा हो रहे हैं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 अगस्त को कहा कि पूर्वोत्तर भारत के दूर-दराज के इलाकों में 4जी के तौर पर एक नया सूर्योदय हुआ है और 'डिजिटल इंडिया' के माध्यम से गांवों में इंटरनेट की सुविधा सुनिश्चित होने से देश में डिजिटल उद्यमियों की संख्या भी बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 92वीं कड़ी में देशवासियों से अपने विचार साझा करते हुए यह भी कहा कि जिस तरह स्वच्छता और टीकाकरण अभियान के दौरान देश की सामूहिक शक्ति की भावना दिखी, उसी प्रकार 'आजादी के अमृत' महोत्सव के तहत चलाए गए तिरंगा अभियान में भी देशभक्ति का जज्बा नजर आया।

श्री मोदी ने देशवासियों से जल संरक्षण की दिशा में सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों और कुपोषण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को मजबूती देने का भी आह्वान किया।

तिरंगा अभियान के तहत देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हमने स्वच्छता अभियान और टीकाकरण अभियान में भी देश की भावना को देखा था। अमृत महोत्सव में हमें फिर देशभक्ति का वैसा ही जज्बा देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि इस दौरान सैनिकों ने जहां पहाड़ की ऊंची-ऊंची चोटियों पर, देश की सीमाओं पर और बीच समंदर में तिरंगा फहराया, वहीं लोगों ने तिरंगा अभियान के लिए अलग-अलग नवाचार वाले विचार प्रस्तुत किए।

श्री मोदी ने कहा कि इतना बड़ा देश, इतनी विविधताएं, लेकिन बात जब तिरंगा फहराने की आई तो हर कोई एक ही भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। तिरंगे के गौरव के प्रथम प्रहरी बनकर लोग खुद आगे आए।

उन्होंने कहा कि पहले गांवों में बिजली पहुंचने पर लोग खुश होते थे, लेकिन 'नए भारत' में गांवों में अब वैसी खुशी इंटरनेट की 4जी सेवाएं पहुंचने में होती है। श्री मोदी ने कहा कि जो सुविधाएं कभी बड़े शहरों में हुआ करती थीं, 'डिजिटल इंडिया' ने उन्हें गांव-गांव में पहुंचा दिया है।

इंटरनेट ने युवाओं की पढ़ाई और उनके सीखने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। गांव-गांव में ऐसे कितने ही जीवन डिजिटल इंडिया अभियान से नयी शक्ति पा रहे हैं

उन्होंने कहा कि अरुणाचल और पूर्वोत्तर भारत के दूर-सुदूर इलाकों में 4जी के तौर पर एक नया सूर्योदय हुआ है। इंटरनेट संपर्क एक नया सवेरा लेकर आया है। जो सुविधाएं कभी सिर्फ बड़े शहरों में होती थीं, वह डिजिटल इंडिया ने गांव–गांव में पहुंचा दी हैं। इस वजह से देश में नए डिजिटल उद्यमी पैदा हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंटरनेट ने युवाओं की पढ़ाई और उनके सीखने के तौर-तरीकों को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में ऐसे कितने ही जीवन डिजिटल इंडिया अभियान से नयी शक्ति पा रहे हैं।

श्री मोदी ने दूरदर्शन पर प्रसारित धारावाहिक 'स्वराज' का जिक्र किया। साथ ही, देशवासियों से आग्रह किया कि वे आजादी के आंदोलन में हिस्सा लेने वाले गुमनाम नायक-नायिकाओं की कहानी बच्चों को जरूर दिखाएं। प्रधानमंत्री ने जल को मानवता का 'परम मित्र' और जीवनदायिनी बताया। उन्होंने कहा कि जल से ही अन्न उत्पन्न होता है और फिर उससे ही सभी का हित होता है।

अमृत सरोवर सहित जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज अमृत सरोवर का निर्माण एक जन-आंदोलन बन गया है। मेरा आप सभी से और खासकर युवा साथियों से आग्रह है कि आप अमृत सरोवर अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और जल संचय व संरक्षण के इन प्रयासों को पूरी ताकत दें। उन्हें आगे बढ़ाएं।

श्री मोदी ने कहा कि अमृत सरोवर अभियान आज की अनेक समस्याओं का समाधान तो करता ही है। साथ ही, यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत कई जगहों पर पुराने जलाशयों का कायाकल्प भी किया जा रहा है।

कुपोषण के खिलाफ देश में चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं आप सभी से आग्रह करूंगा कि आप आने वाले पोषण माह में कुपोषण को दूर करने के प्रयासों में जरूर हिस्सा लें। ■

भारत आर्कटिक विषयों पर रूस के साथ अपनी भागीदारी को मजबूत करने के लिए इच्छुकः नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सात सितंबर को कहा कि भारत आर्कटिक विषयों पर रूस के साथ अपनी भागीदारी को मजबूत करने के लिए इच्छुक है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। रूस के व्लादिवोस्तोक में आयोजित पूर्वी आर्थिक मंच के पूर्ण सत्र को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन युद्ध की शुरुआत से ही कूटनीति और बातचीत का रास्ता अपनाने की जरूरत पर जोर देता रहा है और वह संघर्ष को खत्म करने के सभी शांतिपूर्ण प्रयासों का समर्थन करता है।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2019 में मंच के शिखर सम्मेलन में अपनी मौजूदगी को याद करते हुए कहा कि भारत ने उस समय अपनी 'एक्ट फॉर-ईस्ट' नीति की घोषणा की थी और इसके परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में रूस के सुदूर-पूर्व क्षेत्र के साथ भारत का सहयोग बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि यह नीति अब भारत और रूस के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' का एक प्रमुख हिस्सा बन गई है।

श्री मोदी ने कहा कि इसी महीने व्लादिवोस्तोक में भारत के वाणिज्य दूतावास की स्थापना के 30 साल पूरे हो रहे हैं। भारत इस शहर में वाणिज्य दूतावास खोलने वाला पहला देश था। तब से यह शहर हमारे संबंधों में कई प्रमुख उपलब्धियों का गवाह रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं इस मंच की स्थापना के लिये पुतिन को उनकी सोच के लिये बधाई देता हूं।

श्री मोदी ने कहा कि भारत का क्षेत्र के साथ संबंधों में संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा के साथ-साथ भारत ने रूस के सुदूर पूर्व में औषधि और हीरे के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण निवेश किया है। श्री मोदी ने कहा कि आज की वैश्वीकृत दुनिया में एक हिस्से में होने वाली घटनाएं पूरी मानवता पर प्रभाव डालती हैं।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष और कोविड महामारी का वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था पर व्यापक स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। खाद्यान्न, उर्वरक और ईंधन की कमी विकासशील देशों के लिये चिंता का प्रमुख विषय है। ■

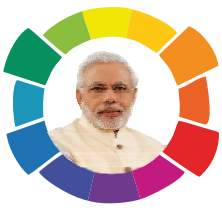

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

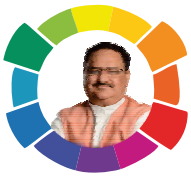

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोनः 011-23381428 फैक्सः 011-23387887 ईमेलः kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेशः राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 06 सितंबर, 2022 को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना के साथ बैठक करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 05 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

मंगलुरु (कर्नाटक) में 02 सितंबर, 2022 को किसान कार्ड देते और विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कोच्चि (केरल) में 01 सितंबर, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री आदि शंकर जन्मभूमि क्षेत्र में पूजा–अर्चना की

भुज (गुजरात) में 28 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए प्रदेशवासी

अहमदाबाद (गुजरात) में 27 अगस्त, 2022 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'अटल ब्रिज' का उद्घाटन किया

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह